

हर घर तिरंगा कार्यक्रम 2025 के भव्य आयोजन के संबंध में हुई बैठक हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा स्वतंत्रता दिवस: डीएम

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। महात्मा गांधी सभागार कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ की अध्यक्षता में हर घर तिरंगा कार्यक्रम 2025 के भव्य आयोजन के सम्बन्ध में शिक्षा विभाग से सम्बंधित अधिकारियों, प्रबन्धक / प्रधानाचार्य समस्त परिषदीय विक्तिविहीन / राजकीय / अशासकीय सहायता प्राप्त/वित्तविहीन / इण्टर कॉलेज / यूपी बोर्ड / सीबीएसई / आईसीएसई बोर्ड जनपद गाजियाबाद के अधिकारियों/प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि शासनादेश के क्रम में "हर घर तिरंगा" (एचजीटी) अभियान को घरों, कार्यालयों, संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों पर



प्रमुखता से तिरंगा फहराकर, सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया जाना है। उन्होंने कहा कि तिरंगे के साथ सेल्फी, प्रभात फेरी, तिरंगा रैलियों (बाइक और साइकिल रैलियों सहित), तिरंगा प्रदर्शनियों

और जन-भागीदारी जैसी गतिविधियों ने 'स्वतन्त्रता दिवस समारोह' को देशभक्ति से भरपूर और देश भर में व्यापक रूप से मनाया जाने वाला उत्सव बना दिया है। यह अभियान जनता के लिए उन

स्वतन्त्रता सेनानियों और सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने का एक विशेष अवसर भी है, जिन्होंने राष्ट्र की सेवा और तिरंगे के सम्मान में अपने प्राणों की आहुति दी है। हमारी जिम्मेदारी है कि हम इसी

भावना को जारी रखें।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि 8 अगस्त, 2025 को तिरंगा रंगोली प्रतियोगिता रखी बनाने की कार्यशाला, निबन्ध, कविता, क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाय एवं स्कूलों की दीवारों और बोर्डों का तिरंगा से प्रेरित कला से सजाना सुनिश्चित किया जाए।

11 अगस्त, 2025 को प्रत्येक विद्यालय में 'तिरंगा महोत्सव' के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाये जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधि यथा विधायक / महापौर / ब्लॉक प्रमुख/ग्राम प्रधान/पाषंद को आमंत्रित किया जायें तथा विजेता छात्रों को सम्मानित भी किया जाये। 12 अगस्त, 2025 को प्रत्येक विद्यालय के छात्रों के माध्यम से तिरंगा रैली में एन०सी०सी० स्काउट एवं

एन०एस०एस० के छात्रों को सम्मिलित करते हुए आयोजन किया जाये। 13 अगस्त, 2025 को प्रत्येक विद्यालयों में छात्रों के माध्यम से तिरंगा साईकिल यात्रा का आयोजन किया जाये एवं समस्त भवनों को तिरंगा लाईट से सजाया जाये। 14 अगस्त, 2025 विभाजत की विभीषिका के चित्रों की प्रदर्शनी लगाकर छात्रों को विभाजन की त्रासदी के विषय में जानकारी प्रदान की जाये। दिनांक 15 अगस्त, 2025 को पूर्ण उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस का आयोजन किया जाये।

सभी छात्रों/ अध्यापकों/ अभिभावकों से तिरंगा के साथ सेल्फी लेकर वेबसाइट पर अपलोड करायें। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम सब मिलकर इस अभियान को राष्ट्र के प्रति अपनी भावनाओं को प्रदर्शित कर सफल बनायेंगे।

साइबर अपराध की रोकथाम को लेकर अधिकारियों व कर्मचारियों को दिया प्रशिक्षण



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। कमिश्नरेट में लगातार साइबर फ्रॉड का शिकार होने वाले पीड़ितों को तेजी से व प्रभावी राहत दिलाने के लिए साइबर सैल स साइबर थाने से जुड़े अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के लिए एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्हें साइबर फ्रॉड से संबंधित बारीकियों से अवगत कराया गया।

साइबर अपराध में प्रभावी कार्यवाही के लिए थाना साइबर क्राइम एवं कमिश्नरेट गाजियाबाद के समस्त थानों की साइबर सेल के अधिकारियों/ कर्मचारियों के प्रशिक्षण को लेकर विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। विशेष

- विशेष कार्यशाला का किया गया आयोजन, दिया गया प्रशिक्षण
- प्रशिक्षण के दौरान बताये गये साइबर काइम की रोकथाम के गुर

कार्यशाला में पहुंचे अधिकारियों व कर्मचारियों ने इस दौरान साइबर अपराध से जुड़ी बारीकियों को समझा, जिससे वह भविष्य में साइबर सैल से जुड़े मामलों में मजबूत व प्रभावी कार्यवाई कर सकें। साइबर थाने व विभिन्न थानों की साइबर सैल में लगातार साइबर फ्रॉड के मामले सामने आ रहे हैं और पीड़ितों की शिकायत पर मुकदमे दर्ज कर उनके खुलासे भी हो रहे हैं।

ग्रेटर गाजियाबाद बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं अधिकारी गाजियाबाद का होगा विस्तार, बढ़ेगी विकास की रफ्तार: नगर आयुक्त



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा गाजियाबाद को ग्रेटर गाजियाबाद बनाने के क्रम में प्रशासनिक तथा निगम अधिकारियों से बैठक की गई। जिसमें विशेष रूप से संपत्ति विभाग की टीम के साथ बैठक हुई। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) रणविजय सिंह, प्रभारी संपत्ति पल्लवी सिंह तथा अन्य संबंधित टीम उपस्थित रही। गाजियाबाद के विस्तार को लेकर नक्शे पर चर्चा करते हुए बढ़ने वाले क्षेत्रफल पर चिन्हीकरण की कार्यवाही की गई।



शामिल होंगे तेजी से कार्यवाही चल रही है तथा सभी विभाग आवश्यक रूप से पत्राचार भी कर रहे हैं। गाजियाबाद के ग्रेटर गाजियाबाद बनने से न केवल क्षेत्रफल का विस्तार होगा।

बल्कि शहर के विकास को भी बल मिलेगा। जिसके लिए समय-समय पर योजना बनाते हुए ग्रेटर गाजियाबाद नगर निगम के रूप में विस्तार होने जा रहा है। जिसके लिए सभी संबंधित अधिकारी कार्यवाही कर रहे हैं। संपत्ति विभाग की टीम को बुलाकर अपर जिला अधिकारी प्रशासन के साथ मिलकर बढ़ाने वाले क्षेत्रफल को देखा गया। लोनी, खोडा के क्षेत्र के साथ-साथ कई नगर पालिका व अन्य ग्रामीण क्षेत्र भी ग्रेटर गाजियाबाद नगर निगम में

शिविर में 132 मुख्य आरक्षी-आरक्षी चालकों ने कराई आखों की जांच



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। मुख्य आरक्षी व आरक्षी चालकों के लिए पुलिस लाइन में आंखों की जांच के लिए एक शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान कैप में पहुंचे सरकारी चिकित्सकों ने पुलिसकर्मीयों की आंखों की जांच की और उन्हें जो भी कमी पाई गई उसके संबंध में संबंधित पुलिसकर्मीयों को जरूरी सलाह दी।

पुलिस लाइन स्थित परमजीत हॉल में नेत्र परीक्षण कैप का आयोजन किया गया। जिसमें कमिश्नरेट गाजियाबाद के समस्त मुख्य आरक्षी/ आरक्षी चालकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस कैप का उद्देश्य पुलिसकर्मी वाहन चालकों की दृष्टि संबंधी समस्याओं की पहचान कर उन्हें समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना था। जिससे उनकी कार्यक्षमता और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सकों की टीम द्वारा सभी प्रतिभागियों की आंखों की जांच की गई और आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। इस दौरान कुल 132 पुलिसकर्मीयों का नेत्र परीक्षण किया गया। कैप के दौरान पीयूष कुमार सिंह अपर पुलिस उपायुक्त अपराध एवं आरआई परिवहन शाखा उपस्थित रहे। नेत्र चिकित्सकों की टीम में जिला संयुक्त चिकित्सालय गाजियाबाद से डॉ. सुचिता सिंह एवं डॉ. अनिता सिंह तथा एमएमजी चिकित्सालय से डॉ. प्रताप सिंह, डॉ. नरेन्द्र कुमार एवं डॉ. खोखर स्वाति उपस्थित रहे।

यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए जिलाधिकारी ने उठाए नये कदम कलेक्ट्रेट में पार्किंग का विस्तार एवं हापुड़ चुंगी क्रासिंग पर चार लेन फ्लाईओवर बनाने की योजना पर हुआ मंथन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नवनियुक्त जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने जनपद में कार्यभार संभालने के उपरान्त मीडिया से वार्ता के दौरान मीडियाकर्मीयों द्वारा उठाई गई जाम की समस्या को गंभीरता से लिया। जिसके क्रम में कलेक्ट्रेट सहित उसके आस-पास का निरीक्षण करते हुए जाम की समस्या से जनपदवासियों को निजात दिलाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था में बेहतर सुधार हेतु हर सम्भव प्रयास किया जायेगा। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने कलेक्ट्रेट परिसर में जाम की समस्या से



छुटकारे के लिए दो दिन पहले कलेक्ट्रेट का निरीक्षण किया और पार्किंग स्थल का विस्तार करने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। वहीं उन्होंने हापुड़

चुंगी पर नया पुल बनाने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। उपर0या0सेतु निगम द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त पुल पर लगभग 98 करोड़ रुपए की

लागत आएगी, जो कि आठ सौ मीटर लम्बा व चार लेन का होगा। पुल के बन जाने से लाखों वाहन चालकों को जाम से निजात मिलेगी। पुल के निर्माण होने से हापुड़ चुंगी पर एनएच-9 का ट्रैफिक रेल उपरिगामी सेतु डायमंड से शास्त्रीनगर चौहद्दे से निकलते हुए हापुड़ चुंगी से गुजर कर वाया अल्ट्र सेंट्र से एनएच-58 मेरठ एवं दिल्ली को जाता है तथा दिल्ली-साहिबाबाद का ट्रैफिक वाया मोहननगर व ठाकुरद्वारा मोड़ से हापुड़ चुंगी होते हुए हापुड़ जनपद को जाने वाले वाहनों को जाम से मुक्ति मिल सकेगी। जिलाधिकारी रवींद्र कुमार मांदड़ ने इस संबंध में यूपी बिज कारपोरेशन से डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिये।

ट्रेनिंग ले रहे रिक्रूट आरक्षियों से एडिशनल सीपी ने किया संवाद समस्याओं की जानकारी कर अधीनस्थों को दिये समाधान के निर्देश



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। पुलिस लाइन में ट्रेनिंग ले रहे रिक्रूट आरक्षियों का समेलन अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय कल्पना सक्सेना की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस दौरान उनकी समस्याओं की जानकारी कर अधीनस्थों को जरूरी दिशा-निर्देश दिये गए। पुलिस लाइन गाजियाबाद में आरटीसी प्रशिक्षुओं का

समस्याएं सुनकर समाधान कराया जाएगा

समेलन आयोजित किया गया, जिसमें प्रशिक्षुओं की कोर्स के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गयी तथा उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली गई।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय कल्पना सक्सेना के



अलावा पुलिस उपायुक्त लाइन निमेष पाटील, नोडल अधिकारी प्रशिक्षण पीयूष सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त लाइन लिपि नगायच तथा पुलिस लाइन के सभी अधिकारी मौजूद रहें। गाजियाबाद पुलिस लाइन में नई भर्ती के जवानों को ट्रेनिंग दी जा रही है। छह

माह की ट्रेनिंग के बाद उपरोक्त सभी उत्तर प्रदेश पुलिस का हिस्सा बन जाएंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर उपरोक्त जवानों के साथ अधिकारी संवाद करते रहते हैं। जिससे वहां होने वाली किसी भी समस्या का समाधान समय से किया जा सके।

नगर आयुक्त से पार्षदों ने संयुक्त रूप से की चर्चा निगम की बढ़ाई जाए आय, वार्डों में विकास पर हो खर्चा



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नगर निगम मुख्यालय पर पार्षदों द्वारा नगर आयुक्त से मुलाकत करते हुए शहर के विकास कार्यों पर चर्चा की गई। जिसमें आंतरिक वार्डों में होने वाले कार्यों को लेकर रफ्तार से करने के लिए मांग की गई। इसी क्रम में पार्षदों द्वारा निगम की आय बढ़ाने को लेकर भी वार्ता की गई। जिसमें 20% छूट की बढ़ाई गई अवधि पर भी पार्षदों ने संयुक्त रूप से

प्रसन्नता जाहिर की। गाजियाबाद नगर निगम की हाउस टैक्स वसूली को लेकर भी सभी पार्षदों तथा निगम अधिकारियों के बीच मंथन हुआ। मौके पर पार्षद गौरव सोलंकी, पार्षद हिमांशु शर्मा पार्षद नीरज गोयल पार्षद पवन गौतम पार्षद संतोष पार्षद शिवम शर्मा पार्षद देवनारायण शर्मा पार्षद सुधीर, पूर्व पार्षद जाकिर सैफी, पवन गौतम व अन्य उपस्थित रहे।

सभी वार्डों में विकास कार्य जारी हैं जिनको रफ्तार देने के लिए हाउस

टैक्स की वसूली भी बेहद जरूरी है। जिस पर पार्षदों तथा निगम अधिकारियों द्वारा चर्चा की गई। शहर में करदाताओं को सहूलियत देते हुए 20% की छूट भी दी गई है। जिसके क्रम में जिन करदाताओं द्वारा हाउस टैक्स दिया जा रहा है। उनको लाभ प्राप्त हो रहा है। हाउस टैक्स पर शासन तथा कोर्ट के माध्यम से भी निर्णय आने तक शहर के विकास में हाउस टैक्स वसूली को लेकर पार्षदों तथा निगम अधिकारियों में मंथन हुआ। गाजियाबाद नगर निगम

- गाजियाबाद नगर निगम की चुनौतियों में सहयोग करने के लिए नगर आयुक्त ने पार्षदों से की अपील
- हाउस टैक्स पर 20% छूट की अवधि को बढ़ाये जाने पर पार्षदों ने जाहिर की प्रसन्नता



की आय बढ़ाने के लिए सभी पार्षदों द्वारा अपना-अपना पक्ष भी रखा गया। निगम पर किसी प्रकार की देनदारी ना बढे तथा धन उपलब्धता के क्रम में सभी वार्डों में पार्षदों द्वारा दिए गए मांग पत्रों के क्रम में कार्य कराए जाएं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। मौके पर अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, अपर नगर आयुक्त अरविन्द्र कुमार, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज, नगर स्वास्थ्य प्रभारी डॉ मिथिलेश व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। जिनको सभी वार्डों में प्रकाश, जल

कल, स्वास्थ्य तथा निर्माण संबंधित कार्यों पर विशेष ध्यान देने तथा निरीक्षण करते हुए कार्यवाही करने के लिए कहा गया। नगर आयुक्त द्वारा शहर के विकास के साथ-साथ गाजियाबाद नगर निगम की कई चुनौतियों में भी उपस्थित पार्षदों से सहयोग की अपील की गई। शहर से सुजित होने वाले कूड़े निस्तारण के लिए भूमि की उपलब्धता कराने, कचरा पृथक्करण हेतु शहर को जागरूक करने व अन्य चुनौतियों में सहयोग करने के लिए पार्षदों से अपील की गई।

जलभराव को लेकर मेयर के तेवर सख्त नाले में कूड़ा डालने पर सुनीता दयाल ने महिला को लगाई फटकार



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। रविवार सुबह महापौर सुनीता दयाल विजननगर क्षेत्र से निकल कर जा रही थीं। वार्ड 58 के शिवपुरी के सामने महापौर ने देखा कि एक महिला कूड़े से भरा डस्टबिन लेकर नाले की तरफ जा रही है। तभी महापौर ने गाड़ी रोकी और उस महिला को टोका कि आपने अभी अभी नाले में कूड़ा डाला है। क्या आपके यहां कूड़े की गाड़ी नहीं आती है। महिला ने बताया कि गाड़ी आती है लेकिन मुझे काम पर जाना है। महापौर ने कहा कि आपको काम पर जाना है तो आप अपना डस्टबिन घर के बाहर रख दो या कूड़ा बांध कर एक तरफ रख दो, यह कूड़ा नाले में डाला जा रहा है। जिससे नाले में साफ होने के बाद भी आप लोगों के कारण भर जाते हैं और बारिश में जल भराव की स्थिति हो जाती है। महापौर ने देखा कि नाले में दीवारों पर भी गोबर लगा हुआ है ऐसा

रालोद प्रतिनिधि मंडल ने प्रशासनिक अधिकारी से मुलाकात की मेरठ तिराहा के रैपिड मेट्रो का नामकरण चौधरी चरण सिंह के नाम पर करने की माँग



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गुरुवार को राष्ट्रीय लोकदल महानगर अध्यक्ष रेखा चौधरी के नेतृत्व में रालोद प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात की। रालोद नेताओं ने बुके देकर जिलाधिकारी का स्वागत किया। साथ ही प्रधानमंत्री को संबोधित अपनी मांग से संबंधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। इस ज्ञापन में प्रधानमंत्री से गाजियाबाद स्थित मेरठ तिराहा के रैपिड मेट्रो का नामकरण चौधरी चरण सिंह के नाम पर करने की माँग की है। इस मांग पत्र में बताया गया है कि भारत रत्न स्वी. चौधरी चरण सिंह किसानों के मोर्चावा द भूत प्रधानमंत्री देश का गौरव हैं। भारत सरकार ने उन्हें मरणोपरान्त भारत रत्न प्रदान किया है। स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह ने गाजियाबाद बार एसोसिएशन के सदस्य के रुप कोर्ट में वकालत की।

■ रालोद ने प्रधानमंत्री को संबोधित अपना मांग पत्र जिला प्रशासन को सौंपा

गाजियाबाद उनकी कर्म भूमि रहा है। मेरठ रोड तिराहा पर स्वं चौधरी चरण सिंह पुस्तकालय स्थित है और वहां पर ही रैपिड मेट्रो का स्टेशन बनाया गया है। इसलिए रालोद की मांग है कि इस मेट्रो स्टेशन का नामकरण भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के नाम पर कर दिया जाए। जिलाधिकारी को मांग पत्र देने वालों में मुख्य रुप से रालोद महानगराध्यक्ष डॉ. रेखा चौधरी, वरिष्ठ नेता इंद्रजीत सिंह टीटू, चौ. तेजवीर सिंह, प्रदेश महासचिव रविन्द्र चौहान, भूपेन्द्र ढबास, प्रदीप त्यागी, दिनेश शर्मा, रामकुमार पंवार, ओडी त्यागी, विशाल सिरौही, संजीव चौधरी, संजीव अरोड़ा, तुषार कौशिक, गीता सिंह आदि रालोद नेता थे।

विधायक अजीतपाल त्यागी ने 400 टीबी की बीमारी से ग्रस्त मरीजों को लिया गोद 50 टीबी रोगियों को विधायक ने अपनी तरफ से दी किट

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मुरादनगर। नगर क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को टीबी मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। उस संकल्प को पूरा करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जन प्रतिनिधियों से अपने- अपने क्षेत्र में टीबी से ग्रस्त रोगियों को गोद लेने के लिए कहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भारत को टीबी मुक्त अभियान को सहयोग करने के उद्देश्य से क्षेत्रीय विधायक अजीतपाल त्यागी ने मुरादनगर क्षेत्र के 400 से अधिक टीबी की बीमारी से ग्रस्त रोगियों को

क्षेत्रीय विधायक अजीतपाल त्यागी ने शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बोलते कहा कि

गाजियाबाद पहुंचने पर झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार का हुआ स्वागत भारत की एकजुटता ही उसकी ताकत: संतोष गंगवार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। यशोदा मेडिसिटी हॉस्पिटल इंदरापुरम में झारखंड के राज्यपाल एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता संतोष गंगवार के आगमन पर भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, यशोदा हॉस्पिटल कौशांबी के निदेशक डॉ. पी.एन. अरोड़ा एवं उपासना अरोड़ा सहित अस्पताल के डॉक्टर व स्टाफ ने उनका भव्य स्वागत किया।

इस अवसर पर आपसी संवाद के दौरान कई महत्वपूर्ण राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। राज्यपाल संतोष गंगवार ने देश की जनता द्वारा विषम परिस्थितियों में एकजुट रहकर देश का साथ देने के जज्बे की सराहना की। राज्यपाल संतोष गंगवार ने इस मौके पर कहा कि भारत की ताकत उसकी एकजुटता में है। कठिन से कठिन समय में भी हमारे नागरिकों ने धैर्य, संयम और राष्ट्रभक्ति का परिचय दिया है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में



उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था, विकास और बुनियादी सुविधाओं में ऐतिहासिक सुधार हुए हैं।

गाजियाबाद में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। विशेष रूप से यशोदा मेडिसिटी इंदिरापुरम में विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मैं निदेशक डॉ. पी.एन. अरोड़ा और उनकी टीम

को हार्दिक बधाई देता हूं। हमें इसी भावना और समर्पण के साथ आगे बढ़ते हुए 'विकसित भारत 2047' के सपने को साकार करना है। भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने इस मौके पर कहा कि राज्यपाल महोदय का आशीर्वाद और मार्गदर्शन हमारे लिए प्रेरणादायी है। भाजपा संगठन हर परिस्थिति में जनता के साथ खड़ा है और हम देशहित व जनहित के लिए

लगातार कार्यरत रहेंगे। यशोदा मेडिसिटी हॉस्पिटल इंदरापुरम के निदेशक डॉ. पी.एन. अरोड़ा ने कहा कि राज्यपाल संतोष गंगवार का हमारे अस्पताल में आगमन हमारे लिए गर्व की बात है। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में हम सदैव उच्च मानकों को बनाए रखते हुए, देश और समाज के स्वास्थ्य सुधार में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।



हिन्दी भवन में 'काकोरी ट्रेन एक्शन' महोत्सव समापन समारोह धूमधाम से सम्पन्न हमें स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारियों की शहादत सदैव याद रखनी चाहिए: विधायक संजीव शर्मा



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शासनादेश के अनुसार जनपद गाजियाबाद में जिला प्रशासन द्वारा काकोरी ट्रेन एक्शन महोत्सव समापन समारोह हिन्दी भवन में आयोजित किया गया। इस दौरान एलर्डी के माध्यम से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथि संजीव शर्मा सदर विधायक, मयंक गोयल महानगर अध्यक्ष भाजपा, स्थानीय सांसद प्रतिनिधि राजेन्द्र मित्तल, सिटी मजिस्ट्रेट डॉ.सन्तोष कुमार उपाध्याय, जिला विकास अधिकारी प्रज्ञा श्रीवास्तवा, परियोजना निदेशक प्रदीप कुमार पाण्डेय, ललित

जायसवाल चीफ वार्डन सिविल डिफेंस सहित अन्य गणमान्य द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। जिलास्तरीय अधिकारियों द्वारा अतिथियों को पौधा एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत व सम्मानित किया गया। आयना डांस एकेडमी द्वारा सरस्वती वन्दना कर कार्यक्रम शुरू किया गया। तदोपरांत सरस्वती विद्या मंदिर के विद्यार्थियों द्वारा काकोरी ट्रेन एक्शन पर आधारित नाट्य प्रस्तुत किया गया। श्री ठाकुर द्वारा बालिका विद्यालय की छात्राओं द्वारा नये भारत का चेहरा गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया। आयना डांस एकेडमी द्वारा नंदे मातरम् गीत पर सुन्दर नृत्य प्रस्तुत कर लिया। कलाकारों द्वारा दी गयी प्रस्तुतियों ने उपस्थित गणमान्यों का मन



मोह, जिससे हिन्दी भवन तालियां से गुंज उठा।

संजीव शर्मा सदर विधायक ने अपने सम्बोधन में कहा कि देश को आजादी दिलाने वाले स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारियों की शहादत को हमें सदैव याद रखना चाहिए और उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। उनकी शहादत को याद करने के लिए काकोरी ट्रेन एक्शन, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस जैसे देशभक्ति के कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं, जिसके माध्यम से सभी देशवासी उन्हें विभिन्न माध्यमों से श्रद्धासुमन अर्पित कर याद करते हैं।

मयंक गोयल ने अपने सम्बोधन में कहा कि देश को अग्रेजों की गुलामी से



बचाने के लिए लाखों की संख्या में क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों की कुबानी दी है, जिससे हम आज आजादी की हवा में सांस ले रहे हैं। हमें देश के प्रति सच्ची निष्ठा रखते हुए अपने दायित्वों को पूर्ण कर्तव्यनिष्ठा एवं ईमानदारी से निभाना चाहिए। कार्यक्रम में अंत में छात्राओं द्वारा अतिथियों, अधिकारियों, एनडीआरएफ, सीआईएसएफ, एनसीसी, पीएसी, पुलिस के जवानों सहित अन्य गणमान्यों को राखी बांधी गयी। कार्यक्रम का संचालन डीडीओ श्रीमति प्रज्ञा श्रीवास्तवा व मंच संचालन डॉ.पूनम शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराने पर सभी अधिकारियों एवं सहयोगकर्ताओं को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

विधायक पंकज सिंह ने गांवों में विकास कार्यों की जानकारी दी झड़ी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। नोएडा विधायक एवं भाजपा उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह ने वीरवार को आगाहपुर, सदरपुर और बरोला गांवों में जन संवाद कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और सरकार द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। पंकज सिंह ने बताया कि बरोला में नई सीवर लाइन बिछाई जा रही है जो वर्तमान में जोड़ दिए गए आधे से अधिक क्षेत्र की जनसंख्या की जरूरतों को पूरा करेगी। इसके साथ ही नई सड़कों का निर्माण और एक बरात घर का नवीनीकरण किया जाएगा, जबकि



एक अन्य पुराने बरात घर को तोड़कर आधुनिक सुविधाओं से युक्त नया भवन बनाया जाएगा। विधायक पंकज सिंह ने सदरपुर, आगाहपुर में भी सड़क और सीवर की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए अधिकारियों को

निर्देशित किया। पंकज सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में जनता ही सर्वोपरी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का भी यही मानना है कि सरकार के कार्यों को जनता तक पहुंचाना ही हमारी ही जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी राजनीतिक



विचारधाराओं से परे होकर लोगों को जन संवाद में शामिल होने का आह्वान किया, ताकि आम जनता की समस्याएं सुनी जा सकें और उनका समाधान खोजा जा सके। पूर्ववर्ती सपा-बसपा सरकारों की भ्रष्ट नीतियों की वजह से जो

समस्याएं पैदा हुई, उन्हें लेकर भी उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है और अब तक अनेक जटिल समस्याओं का समाधान किया जा चुका है। बाकी समस्याओं पर भी तेजी से काम चल रहा है। किसानों की समस्याएं,

रजिस्ट्री से जुड़े मुद्दे और अन्य जनहित के विषयों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक भी पहुंचाया गया है और सरकार इनका समाधान सुनिश्चित करने हेतु प्रतिबद्ध है। पंकज सिंह ने अधिकारियों को भी स्पष्ट संदेश दिया कि गलत को होने नहीं देना और सही को रकने नहीं देना। अब जन समस्याओं के निस्तारण में देरी नहीं चलेगी। अधिकारीगण समाधान की दिशा में त्वरित गति से कार्य करें। जन संवाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामवासियों ने अपने क्षेत्र की समस्याएं सीधे विधायक के सामने रखीं, जिस पर उन्होंने समाधान का आश्वासन दिया।



गोद लेने का काम किया है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भारतवर्ष पोलियो मुक्त हुआ है। उसी प्रकार ग्राम प्रधान से लेकर सांसद तक और

प्रत्येक व्यक्ति को देश को टीबी मुक्त बनाने में अहम योगदान देना चाहिए। विधायक अजीतपाल त्यागी ने कहा कि बिना जन सहयोग के कोई भी

अभियान सफल नहीं हो सकता। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ भारत भूषण ने विधायक अजीतपाल त्यागी का स्वागत करते हुए आभार

प्रकट किया कि उन्होंने मुरादनगर क्षेत्र के 400 टीबी रोगियों को गोद लिया। डॉ भारत भूषण ने बताया कि प्रत्येक गांव व वार्ड में स्क्रीनिंग कराई जा रही है जिससे टीबी रोगियों की संख्या पता चल रही है। उन्होंने बताया कि जिस मरीज में टीबी की बीमारी के लक्षण पाये जाते हैं। उसे सरकारी की ओर से पौष्टिक आहार हेतु एक हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाते हैं। टीबी रोगियों को पौष्टिक आहार की किट दी गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला कोऑर्डिनेटर दीपाली गुप्ता, पी के दूबे सहित अनेक डॉक्टर एवं स्टाफ मौजूद था।





सम्पादकीय

आतंकियों और उनके समर्थकों की कमर तोड़ना बाकी

कश्मीर के कुलगाम के घने जंगलों में आतंकियों के खिलाफ सेना एवं सुरक्षाबलों के अभियान का नौवें दिन भी जारी रहना यह बताता है कि आतंकवादियों और उनके समर्थकों की कमर तोड़ना अभी भी शेष है। यह काम प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए, क्योंकि यह सामान्य बात नहीं कि कश्मीर में आतंकियों के खिलाफ नौ दिन तक अभियान चलाना पड़े और फिर भी उनका अंत न हो। इस पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि कश्मीर के इस सबसे लंबे आतंकरोधी अभियान में हमारे दो सैनिकों को अपना सर्वोच्च बलिदान देना पड़ा। राष्ट्र इनका सदैव ऋणी रहेगा। ऐसे सर्वोच्च बलिदान का स्मरण रखने के साथ ही यह भी सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि आतंकी किसी भी तरह हमारे जवानों को क्षति न पहुंचाने पाएं। कुलगाम के जंगलों में आतंकियों के खिलाफ जिस दिन अभियान शुरू किया गया, उसी दिन एक आतंकी को मार गिराया गया था। शेष बचे आतंकी इतने दिनों तक सेना एवं सुरक्षाबलों का सामना करने में बाढ़े जिन कारणों से सफल रहे हों, उनका समूल नाश किया जाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। इसी के साथ यदि यह साबित होता है कि कुलगाम के दुर्गम इलाके में छिपे आतंकी पाकिस्तान से आए थे अथवा इन आतंकियों के पीछे पाकिस्तान का सहयोग और समर्थन है तो सरकार एवं सेना को यह बताने-स्मरण कराने की आवश्यकता नहीं कि आपरेशन सिंदूर स्थगित हुआ है, खत्म नहीं। पाकिस्तान को नए सिरे से और कठोर सबक सिखाने की तैयारी की जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त भारत को विश्व समुदाय को यह भी बताना चाहिए कि आपरेशन सिंदूर के जरिये पाकिस्तान के खिलाफ अब तक की कठोरतम कार्रवाई के बाद भी उसके होश ठिकाने नहीं आए हैं। पाकिस्तान की हकतों के लिए परोक्ष रूप से ही सही, विश्व के प्रमुख राष्ट्रों और विशेष रूप से अमेरिका को कठघरे में खड़ा करने में संकोच नहीं किया जाना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को तो खास तौर पर यह याद दिलाना चाहिए कि वह जिस पाकिस्तान की तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं, वह आतंक का गढ़ और भारत के लिए खतरा बना हुआ है। हो सकता है कि ट्रंप जिहादी सोच वाले और पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर को आगे भी अमेरिका बुलाकर भोज कराना पसंद करें, लेकिन भारत को यह तो कहना ही चाहिए कि उसने यह तय कर लिया है कि किसी भी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमले को युद्ध की तरह देखेगा और प्रतिकार करेगा। यह सही समय है कि भारत सरकार कश्मीर में आतंकियों के खुले-छिपे समर्थकों के खिलाफ भी और अधिक सख्त हो। कश्मीर के कुलगाम के घने जंगलों में आतंकियों के खिलाफ सेना एवं सुरक्षाबलों के अभियान का नौवें दिन भी जारी रहना यह बताता है कि आतंकवादियों और उनके समर्थकों की कमर तोड़ना अभी भी शेष है।

प्रवर्तन निदेशालय की कार्यशैली पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की कार्यशैली और उसकी भूमिका पर आए दिन सवाल उठते रहे हैं। राजनीतिक दलों का आरोप है कि ईडी प्रतियोगी की भावना से कार्रवाई करती है। वहीं उच्च न्यायालयों से लेकर शीर्ष अदालत ने भी निदेशालय को कई बार सवालों के कठघरे में खड़ा किया है। यह अफसोसनाक है कि ईडी की जांच में आरोपी बनाए गए लोग दोषी सिद्ध न होने पर भी महीनों विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में बंद रहते हैं। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि धनशोधन रोकथाम कानून का दुरुपयोग कैसे और क्यों हो रहा है और किसके इशारे पर हो रहा है। इस कानून के तहत दोषसिद्धि दर पर भी सवालिया निशान लग चुके हैं। गुरुवार को शीर्ष न्यायालय ने भी इस बात पर चिंता जताई है कि धनशोधन मामले में सजा की दर बहुत कम है। अदालत ने ईडी को सख्त लहजे में चेताया है कि वह किसी मुंडे की तरह काम नहीं कर सकती, उसे कानून के दायरे में रह कर काम करना होगा। अदालत की टिप्पणी ईडी की जांच प्रक्रिया और कार्यशैली पर एक बड़ा सवाल है। अगर इस संस्था की छवि इस कदर नकारात्मक बन रही है, तो इस पर उसे सोचने की जरूरत है। ऐसा नहीं है कि शीर्ष न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय के कामकाज पर कोई पहली बार सवाल उठाया है। पिछले महीने भी अदालत ने कहा था कि ईडी सारी हदें पार कर रही है। यह गंभीर स्थिति है कि न्यायिक हिरासत खत्म होने के बाद आरोपी जेल से बाहर आ जाते हैं। इस दौरान प्रवर्तन निदेशालय न तो अपनी जांच पूरी कर पाता है और न ही उनके खिलाफ आरोप सिद्ध कर पाता है। इस पर विचार किया जाना चाहिए कि अगर ईडी के पास किसी आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए मजबूत आधार होता है तो दोषसिद्धि की दर दस फीसद से भी कम क्यों है। इस पर चिंता जताते हुए शीर्ष अदालत ने उचित सवाल किया है कि अगर आरोपी बरी हो जाते हैं, तो इसका भुगतान कौन करेगा।

वेदवाणी

अभयं मित्रादभयममित्रात् अभयं ज्ञातादभयं पुरो यः।
अभयं नक्तमभयं दिवा नः सर्वा आशा मम मित्रं भवन्तु ।।
(अथर्ववेद 19/15/6)

भावार्थ :
हे प्रभु! मुझे मित्र से भय न हो, अमित्र से भी भय न रहे। जो मालूम हो गया है, उससे भय न हो और जोआगेआने वाला है उससे भी भय न हो। हम रात में भी अभय हों,दिन में भी अभय हों। सब दिशाओं के वासी प्राणी मेरे मित्र हो जाएँ, मित्ररूप में रहें।
हम सभी दिशाओं से अभय हों।



प्रो. प्रकाश चंद्र गिरी

विचार-विमर्श

पीएम मोदी का ऐलान- किसानों की कीमत पर नहीं होगा कोई समझौता

अब यह साफ लग रहा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुल्क लगाने की रणनीति का इस्तेमाल व्यापार समझौते में मनमर्जी की शर्तें थोपने के लिए कर रहे हैं। इस मसले पर भारत ने अब तक धैर्य और परिपक्वता के साथ अमेरिका के रुख के बरक्स अपना पक्ष रखा था कि वह अपने देश के किसानों और डेयरी उद्योग के हितों को नुकसान पहुंचाने वाली किसी नीति पर सहमत नहीं होगा। मगर इस बीच अमेरिका ने पच्चीस फीसद शुल्क लगा कर और रूस से कच्चे तेल के आयात पर जुमाना लगाने की घोषणा कर व्यापार समझौते में अपनी शर्तों पर भारत की सहमति के लिए दबाव बनाने की कोशिश की। जब इस पर बात बनती नहीं दिखी, तो अब उसने शुल्क को बढ़ा कर पचास फीसद कर देने की घोषणा की है।

जाहिर है, अमेरिका को शायद अपने इसी दांव पर भरोसा है कि ऐसा करके वह भारत पर दबाव बना सकेगा। मगर गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह साफ शब्दों में देश के कृषि हितों के विरुद्ध किसी भी तरह का समझौता नहीं करने की बात कही है, उसे इस मुद्दे पर भारत की ओर से सबसे स्पष्ट प्रतिक्रिया कहा जा सकता है। गौरतलब है कि अमेरिका और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए वार्ता को एक



निष्कर्ष पर लाने की कोशिशें चल रही हैं।

इस समझौते के संदर्भ में अमेरिका की मुख्य मांग मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और इथेनाल जैसे उत्पादों पर शुल्क कम करने के साथ-साथ भारत के कृषि और डेयरी बाजार तक अपनी ज्यादा पहुंच सुनिश्चित करने को लेकर है। हालांकि भारत अब ज्यादा स्पष्ट शब्दों में इन मांगों का विरोध कर रहा है, क्योंकि अगर वह अमेरिका के दबाव में आकर इन पर अपनी सहमति दे देता है, तो

भारत ने परस्पर व्यापार के मामले में अपने हित के मद्देनजर वैश्विक समीकरणों और खुद अमेरिका को दोहरे मानदंडों को आईना दिखाने के साथ-साथ अपनी जरूरतों के औचित्य को सामने रखा था। मगर एक देश की आवश्यकताओं और विश्व व्यापार को लेकर हुए समझौतों के नियमों पर गौर करने के बजाय ट्रंप प्रकारांतर से एक तरह की ज़िद पर अड़े हैं, जिसमें वे व्यापार वार्ता में एकतरफा तौर पर सिर्फ अमेरिकी हित सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं।

ऐसे में संवाद और समाधान के लिए सिमटते विकल्पों के बीच भारत के पास इस पर ठोस रुख अख्तियार करने के सिवा शायद कोई रास्ता नहीं बचा था। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने देश के किसानों, मछुआरों और डेयरी उद्योग के हितों का हवाला देते हुए जो कहा है, वह आर्थिक मोर्चे पर खड़ी हो रही कई तरह की आशंकाओं के बीच एक राहत की दस्तक है। यों भी, भारत ने अतीत में आर्थिक मोर्चे पर कई बार विकट चुनौतियों का कामयाबी से सामना किया है। अब अमेरिका दबाव की रणनीति का इस्तेमाल करते हुए जिस तरह की मनमानी की कोशिश कर रहा है, उसमें भारत ने अपनी संप्रभुता और जरूरतों को प्राथमिक मानने पर जोर देकर एक तरह से सबको स्पष्ट संदेश दिया है।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सोधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक,एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गुढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, श्रृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात्देखा गया, भगवान् राम का दिव्य जीवन)

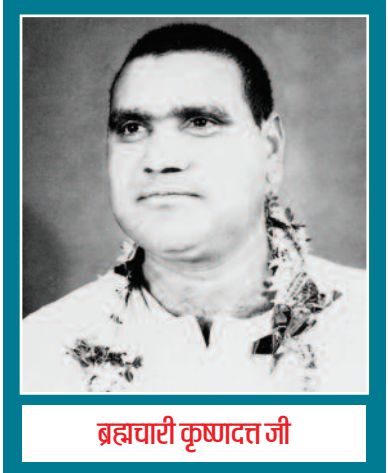
भाग 31, गतांक से आगे

इस प्रकार,ऋषि की आभा को प्रकट करते हुए माता अरुन्धती ने कहा कि ‘‘ मेरा तो एक ही मन्तव्य रहा है कि मैं ब्रह्मचारियों को यही कहती रही हूँ विद्यालयों में भी और आज भी मेरा यही विचार है कि हम अपने मानवीयत्व को ऊँचा बनायें और अपने मानसिक जो विचार हैं, वो महान-पवित्र बन जायें,उन पर हमारी विजय होनी चाहिये।जब हमारी विचारों पर विजय हो जाती है, तो हम तपस्वी बन जाते हैं और बिना तपस्या के

छात्र कदापि ऊँचा नहीं बनता।जब माता को माता की दृष्टि से नहीं देखा जाता है।उसे नेत्रों में, ‘माता’ को समाहित कर लेते हैं तो वह नेत्रों में सदैव माता ही माता दृष्टिपात आने लगती है और वह माता प्रकृति के रूप में विद्यमान हो जाती है।वही प्रकृति है,जो चरी कहलाती है,जिसके गर्भ में नाना प्रकार का विज्ञान विद्यमान होता है।

खाद्यान्न भी हैं,खनिज भी हैं और भी नाना प्रकार की धाराओं की उपलब्धियाँ होती रहती हैं,जो प्रायः तुम्हें क्रिया में लाने के लिये सदैव तत्पर रहती हैं। क्योंकि वह जो विज्ञानमयी यंत्र, तुमने एक ‘ अहिल्या-कृतिभा-यंत्र’ का निर्माण किया है,जो तुमने याग के माध्यम से निर्माण किया है,याग के परमाणुओं के ऊपर तुम्हारा अध्ययन हुआ है और उस परमाणुवाद में तुमने यह सत्ता प्राप्त की होगी कि पृथ्वी के गर्भस्थल में कितनी दूरी पर कौन-सा खनिज है,कौन-सा खनिज गमन कर रहा है,जल को शक्तिशाली बनाने वाली जो ऊर्जा-शक्ति है,जो सूर्य से प्राप्त होती है,अमृत को देने वाली चन्द्रमा से ऊर्जा प्राप्त हो रही है,तो वह सर्वत्र एक आभा में रमण कर रही है।’’

माता अरुन्धती ने कहा” ‘है ब्रह्मचारियो! यह तुम्हारा सौभाग्य है,जो तुम इस आश्रम में ब्रह्मवेत्ता के समक्ष अपनी विद्या का अध्ययन कर रहे हो, यह अहिल्या यन्त्रों का निर्माण किया है।इस निर्माण में वही है।पृथ्वी के गर्भ को जानना है,और पृथ्वी के गर्भ को जो जानने वाला है,वह विज्ञानवेत्ता कहलाता है।है ब्रह्मचारियो! दूसरा तुम्हारा जो कौतुक है,वह अस्त्रों-शस्त्रों का निर्माण है।कुछ इस प्रकार के अस्त्र-शस्त्र हैं,जो तुम्हें इस पृथ्वी-मण्डल पर अभ्यस्त के लिये प्राप्त नहीं होंगे।उसमें तुम्हें दूसरे मण्डलों में भी जाने की आवश्यकता होगी वहाँ भी तुम्हें अपनी उड़ानें उड़नी हैं और



ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

वहाँ से भी विज्ञान को और यन्त्रों को जानने के पश्चात् तुम्हें पृथ्वी-मंडल पर आना है।ऐसा मेरा मन्तव्य रहता है,तुम्हारा यह जीवन,इसी प्रकार तपोमय क्रियाकलापों में लगा रहेगा तो इसी का नाम तप कहा जाता है।

यह तपस्या में तुम परिणित हो जाओ।तुम्हें यह प्रतीत है कि हमारे यहाँ जब विष्णु-राष्ट्र की स्थापना हुई,तो विष्णु महाराज अपने गरुड़ रूपी वाहन पर विद्यमान होकर लोक-लोकांतरों की यात्रा करते रहे हैं।लोक-लोकांतरों में जाना और वहाँ जो भी यन्त्र,विज्ञान प्राप्त होता विज्ञान की धाराओं को अपने मस्तिष्क में वृत्त करते हुए वहाँ से यन्त्रों को इस पृथ्वी-मण्डल पर लाना,यह प्रायः राष्ट्र का एक कर्त्तव्य बन जाता था।राष्ट्र में इतना ऊँचा विज्ञान होना चाहिये,हमारे विद्यालय का विज्ञान इतना ऊँचा होना चाहिये,जिससे हमारे राष्ट्र का वैज्ञानिक,वह नाना लोक-लोकांतरों की यात्रा

में सफलता को प्राप्त कर सके।मेरा यह उपदेश है और मेरी यही कामना रहती है।’’ माता अरुन्धती ने कहा,अरुन्धती मण्डल के उपर मेरा अध्ययन रहा है।

जब वशिष्ठ मुनि महाराज के चरणों में विद्यमान रहती,तो मुझे यह सौभाग्य प्राप्त होता रहा है। इसीलिये मेरा नामोकरण भी अरुन्धती कहलाता है।मेरा अरुन्धती जो मण्डल है,वह और वशिष्ठ-मण्डल दोनों साथ-साथ गमन करते रहते हैं और मेरा उन दोनों के ऊपर अध्ययन रहा है।मैंने विशेषकर अरुन्धती-मण्डल के ऊपर अध्ययन किया है।

अरुन्धती-मण्डल की धाराएँ आती रहती हैं और वे धाराएँ,इस पृथ्वीमण्डल पर आती हैं और पृथ्वी-मण्डल पर आ करके,वे पृथ्वी के गर्भ में स्वर्ण का जो परमाणुवाद गमन कर रहा है,उस पर उनकी छाया जब आवृत्त होती हैं तो उसमें एक वृत्तियों की धाराओं को प्रदान किया जाता है।तो यह अरुन्धती-मण्डल जब इसकी छाया चन्द्र-मण्डल पर जाती है,तो चन्द्रमा की कान्ति में स्वर्णमयी धाराओं का जन्म हो जाता है।अरुन्धती-मण्डल की जो कान्तियाँ हैं,जब यही कान्तियाँ,मंगल पर जाती हैं,तो वहाँ वैज्ञानिक, विज्ञान के परमाणुओं की उपलब्धि करता रहता है।यह अरुन्धती-मण्डल इतना विचित्र है कि जब माता के गर्भस्थल में इसकी छाया जाती है,तो वहाँ बाल्य में बुद्धि की स्थापना कर देता है।बाल्य को बुद्धि आती है क्योंकि माँ बालक के ‘लघु-मस्तिष्क में एक वृत्तिका-अरुणकेतु नाम की नाड़ी होती है उस नाड़ी का समन्वय, अरुन्धती-मंडल में जो धाराएँ होती हैं, उससे उसका समन्वय हो जाता है,तो विशेष बुद्धि उसे प्राप्त हो जाती है।’’क्रमशः.....

संसद संवाद की बजाय संघर्ष का अखाड़ा कब तक ?

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में गतिरोध जारी है, जिससे कामकाज बाधित हो रहा है। आज संसद का दृश्य सार्थक संवाद की बजाय किसी अखाड़े से कम नहीं लगता। बहस के स्थान पर बैर, तख्तायाँ और नारों की गुंज सुनाई देती है। संसद जहाँ नीति निर्माण होना चाहिए, वहाँ प्रतिदिन निर्माणवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और साइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है।

जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिपट हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। विपक्ष और सत्ता के बीच जारी इस टकराव में बहस के बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। मानसून सत्र की शुरुआत उम्मीदों से भरी थी, नए विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की। लेकिन यह सत्र भी पुराने ढर्रे पर चल पड़ा, विरोध,

स्थगन, नारेबाजी और हंगामे की भेंट चढ़ता लोकतंत्र। विपक्ष बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा चाहता है। इसमें ईवीएम की पारदर्शिता, मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही मणिपुर की स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, पेगासस जासूसी, किसानों की समस्याएँ और हाल ही में आई बाढ़ एवं आपदा राहत जैसे मुद्दे भी विपक्ष के एजेंडे में हैं। लेकिन विपक्ष इन और ऐसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा का माहौल बनाने की बजाय सरकार को घेरने की मानसिकता से ग्रस्त है।

संसद की प्रासंगिकता तभी है जब उसमें देश की सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो और विपक्ष इसमें सकारात्मक भूमिका निभाये। गतिरोध के कारण दर्जनों विधेयक लंबित हैं, डेटा प्रोटेक्शन बिल, महिला आरक्षण बिल, वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा, कृषि कानूनों में संशोधन, आदि। ये सब विधेयक केवल कानून नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े ज्वलंत प्रश्न हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, विपक्ष सार्थक बहस से भाग रहा है या बहस में अड़गं डाल रहा है। सत्ता पक्ष भी कोई बीच का

रास्ता निकालता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। दोनों की यह रस्साकशी देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य को कमजोर कर रही है। कोई भी पक्ष चुकने को तैयार नहीं दिख रहा। लेकिन, इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ रहा है। दोनों सदनों का कीमती वक्त हंगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले वर्षों में इस तरह की गतिविधियाँ आम हो गई हैं।

विपक्ष चाहता है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा कराए। लेकिन, सरकार नियमों का हवाला देकर कह रही है कि चुनाव आयोग सख्त संस्था है और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जवाब में, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है। दोनों पक्ष नियमों के सवाल पर अड़े हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाए गए हैं, न कि कामकाज ठप्प कराने के लिए। मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही अंदोज था कि एसआईआर पर हंगामा होगा। इसके पीछे विपक्ष की अपनी आशंकाएँ हैं। शुरुआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और



वोटर कार्ड को मान्य डॉक्यूमेंट्स में शामिल न करने से लेकर बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर निकालने तक, इसमें कई पेच फंसे हैं। चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है और इसमें 65 लाख नाम हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों की पूरी जानकारी मांगी है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए

करें। आम नागरिक संसद से समाधान की उम्मीद करता है, न कि शोरशराबा। जब लाखों युवा रोजगार की बात जोह रहे हैं, किसान कर्ज में डूब रहे हैं, और आमजन महंगाई से त्रस्त है, तब संसद में ठहाके नहीं, तकलीफों की चर्चा जरूरी है। यह सवाल अब बार-बार उठ रहा है कि क्या संसद केवल दिखावटी बन गई है? अगर सरकार विपक्ष को केवल बाधा मानकर चलती है और विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध करता है, तो लोकतंत्र की आत्मा मरती है। जैसाकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, संसद को ठप्प करना आसान है, लेकिन संसद को चलाकर देश की उम्मीदों को साधना ही असली

लोकतंत्र है। चुनाव आयोग एसआईआर की जरूरत को बता चुका है और शीर्ष अदालत ने भी उसे माना है। यह जरूरी भी है, क्योंकि भ्रष्ट वोटरों से चुनी जाने वाली सरकारें भी भ्रष्ट ही होती हैं। इसलिये चुनाव की इस विसंगति की सफाई होना जरूरी है, इस पर चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है तो बातचीत से इसका हल निकालना होगा ताकि संसद का कामकाज सुचारुरूप से चल सके। लोकतंत्र में सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। लेकिन इसमें विपक्ष का सहयोग भी अपेक्षित होता है, दोनों को अपना यह दायित्व समझना चाहिए। संसद का हर सत्र,

हर मिनट करदाताओं की गाढ़ी कमाई से चलता है। हर व्यवधान लाखों रुपये की बबाई है। यह नैतिक रूप से भी चिंताजनक है कि जनप्रतिनिधि बहस से अधिक हंगामे में समय गंवा रहे हैं। समाधान यही है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात सुने, संवाद को प्राथमिकता दे। विपक्ष भी रचनात्मक विरोध करे, अनावश्यक बहिष्कार से बचे। लोकतंत्र बहस से ही मजबूत होता है, बहिष्कार से नहीं। वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा होनी चाहिए। जरूरी विधेयकों पर बहस होनी चाहिए। संसद को संकल्प का मंच बनना चाहिए, संग्राम का नहीं। जब तक संसद जनहित के सवालों पर गुंजेगी नहीं, तब तक लोकतंत्र अपंग ही रहेगा। जैसा कि डॉ. राधाकृष्णन ने कहा था-संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, यह राष्ट्र के विवेक की आवाज है। लेकिन जब यह विवेक ही हंगामे में दब जाए, तो संविधान की आत्मा कराह उठती है। आज जरूरत है कि संसद को नई दिशा, नया दृष्टिकोण और नई मर्यादा मिले। संसद की गरिमा केवल आसनों से नहीं, आचरण से बनती है। संसद में वही नेता दिशा दे सकते हैं, जो अपने निजी या दलगत हित से ऊपर उठकर राष्ट्रहित की सोच रखते हैं। जब तक

संसद के सदस्य यह नहीं समझेंगे कि वे जनता के प्रतिनिधि हैं, न कि अपने दल के प्रचारक, तब तक दिशा भटकती रहेगी। विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है, जनता का दबाव। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष की भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई लड़ रहा है या केवल सत्तालोलुप राजनीति कर रहा है? मॉडिया को चाहिए कि वह हंगामे को महिमाभिडित करने के बजाय, नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाए। संसद में विवाद होना लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन वही विवाद अगर दिशा विहीन हो जाए, तो जरूरत है कि संसद की गरिमा को पुनर्स्थापित किया जाए, विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाए और सरकार भी अहंकार छोड़कर संवाद को अवसर दे। संसद यदि सचमुच लोक का मंदिर है, तो वहाँ केवल सत्ता की पूजा नहीं, लोकमंगल की बात होनी चाहिए।

बागपत में किसानों को किवी-ड्रैगन फ्रूट की खेती के लिए करें प्रोत्साहित: जिलाधिकारी

बागपत में उद्यान विभाग की एकीकृत बागवानी विकास मिशन हुई लागू, फसल विविधीकरण से कृषकों की बढ़ेगी आय

विश्व बंधु शास्त्री

बागपत। जनपद में वित्तीय वर्ष 2025-26 से उद्यान विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना का संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। इस योजना की डीएमसी बैठक आज जिलाधिकारी अस्मिता लाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई।

जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद के किसानों को परंपरागत खेती के साथ-साथ व्यावसायिक बागवानी की ओर भी प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से कीवी, ड्रैगन फ्रूट जैसी उच्च मूल्य की फसलों की खेती



को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय स्तर पर किसानों के लिए जागरूकता अभियान, प्रशिक्षण शिविर और तकनीकी मार्गदर्शन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिला उद्यान अधिकारी निधि सिंह ने बताया कि योजना के अंतर्गत

निदेशालय उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तर प्रदेश से भौतिक लक्ष्य प्राप्त हुए हैं। इनमें आम रोपण, ड्रैगन फ्रूट, पपीता, शाकभाजी कार्यक्रम, ग्लोडियोलास, धनिया, प्याज, लहसुन, सब्जियों के लिए एकीकृत कीट प्रबंधन, मधुमक्खी

पालन, फेंसिंग, मचान निर्माण, फ्रूट कवर वितरण, ब्लॉक स्तरीय दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण तथा जनपद स्तरीय सेमिनार/गोष्ठियों जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। इन लक्ष्यों में सामान्य वर्ग तथा अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग हेतु पृथक लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि योजना का लाभ केवल उन्हीं किसानों को मिलेगा जो उद्यान विभाग के पोर्टल पर पंजीकरण कराएंगे। पंजीकरण 'प्रथम आवक, प्रथम पावक' की तर्ज पर किया जाएगा। इसके लिए किसानों को भूमि की खतौनी, आधार कार्ड की प्रति, बैंक पासबुक की प्रति, दो पासपोर्ट साइज फोटो और मोबाइल नंबर के साथ किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर पंजीकरण कराना होगा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी पंकज वर्मा (वित्त/राजस्व), जिला कृषि अधिकारी बाल गौर्वंद यादव आदि अधिकारीगण मौजूद रहे।

भाजपा की कार्यशाला में ‘हर घर तिरंगा’ अभियान की सफलता के टिप्स दिए



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। जनपद में हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए भाजपा जिला कार्यालय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें अभियान को सफल बनाने के टिप्स दिए गए।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा के जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष वेदपाल उपाध्याय की अध्यक्षता में जिला कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुरुआत भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर की गई।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री व जिला प्रभारी डॉ॰ चन्द्रमोहन ने अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर पूरे जनपद में हर घर तिरंगा अभियान चलाया जाएगा। विगत कई वर्षों से भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार 15 अगस्त आजादी दिवस को एक उत्सव में मनाने का कार्य कर रही है। इस बार का तिरंगा अभियान आप्रेशन सिंदूर की सफलता पर आधारित है। उन्होंने बताया कि जनपद के सभी मंडलों एवं जिला स्तर पर तिरंगा यात्रा निकाली जायेगी। 7 अगस्त से 8 अगस्त के मध्य मंडलों में बैठक आयोजित होगी। 10 अगस्त से 12 अगस्त के मध्य मंडलों में तिरंगा यात्राएं निकाली जाएंगी। 12, 13 और 14 अगस्त को जनपद के सभी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं महापुरुषों की प्रतिमाओं



पर स्वच्छता अभियान एवं माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित होंगे। इन सभी स्थानों पर सजावट करने का कार्य किया जाएगा। 14 अगस्त को जिला स्तर पर विभाजन विधिविक स्मृति दिवस कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिसमें जिला स्तर पर ही मौन जुलूस निकाला जाएगा। साथ ही संगोष्ठी आयोजित करके 14 अगस्त 1947 को देश के विभाजन के बारे में जानकारी दी जायेगी।

जिलाध्यक्ष वेदपाल उपाध्याय ने कहा कि कार्यक्रम की सफलता के लिए पार्टी के सभी संगठनात्मक 12 मंडलों में एक संयोजक व दो सह-संयोजक लगा दिए गये हैं। उन्होंने सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम की सफलता के लिए आह्वान करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति की अभिव्यक्ति है। जिला उपाध्यक्ष अनिल तोमर ने कहा कि 15 अगस्त की शाम को कार्यकर्ता तिरंगा को सम्मान पूर्वक उतारना भी सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने हर घर तिरंगा फहराते हुए सेल्फी

लेकर अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर शेयर करने को भी कहा। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष वेदपाल उपाध्याय व संचालन जिला महामंत्री विनोद बाल्मीकि ने किया।

इस दौरान गन्ना समिति चेयरमैन प्रदीप ठाकुर, जिला मीडिया प्रभारी पवन शर्मा, कार्यक्रम संयोजक रविन्द्र आर्य, राजगोपाल कश्यप, जिला उपाध्यक्ष राकेश जैन, अश्वनी त्यागी, दिपेश तोमर, गौरव तोमर, डॉ॰ नीरज कौशिक, लता सिसौदिया, प्रतिभा शर्मा, डॉ॰ शरफत अली, अंजु कश्यप, आत्माराम मोर्य, संदीप वशिष्ठ, मंडल अध्यक्ष प्रभात तोमर, सुधीर त्यागी, सुनिल तोमर, देवेन्द्र खोखर, दिनेश प्रधान, मनीष कुशवाहा, मंजीत गुर्जर, संदीप प्रजापति, अरविंद तोमर, सत्यवीर सिंह बड़का, सुनील दीक्षित, सतेन्द्र मोर्य, मनोज कश्यप, नितिन जैन, अमित उपाध्याय, अक्षय तोमर, अनुज त्यागी, मंगिराम कश्यप, मंजीत कौर, आश मोहम्मद, मंगेराम कश्यप, मीनाक्षी सिसौदिया, मितेश, सुभाष शर्मा, कृपल, भारती, ममता आदि मौजूद रहे।

हिंदू युवा वाहिनी महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष बनीं मधु दांगी



खेकड़ा (बागपत)। हिंदू युवा वाहिनी ने राष्ट्रीय स्तर की निशानेबाज रह चुकी मधु दांगी को महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष मनोनित किया है। शनिवार को उनको प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

कस्बे में आयोजित बैठक में हिंदू युवा वाहिनी संगठन का विस्तार किया गया। हिंदू युवा वाहिनी के शीर्ष नेतृत्व एवं प्रदेश अध्यक्ष कुंवर सिद्धराज के मार्गदर्शन में जिला अध्यक्ष नीरज

धामा और महामंत्री नरेश शर्मा ने जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए मधु दांगी को महिला मोर्चा का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया। मधु धामा दांगी राष्ट्रीय स्तर की निशानेबाज रह चुकी हैं। जिला उपाध्यक्ष किशन गुप्ता, अजय शर्मा, अरुण धामा, सुजल धामा, मोनु धामा, भावना मलिक, सोहनवीर धामा, उषा वर्मा, श्वेता धामा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन पर समाजसेवी ने गांव से शहर तक चलवाई फ्री ई-रिक्शा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बड़ौत (बागपत)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर प्रदेश भर में रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में बहनों के लिए शुरू की गई उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की निशुल्क यात्रा से प्रेरणा लेकर समाजसेवी डॉक्टर संजीव आर्य ने भी अनोखी पहल की शुरूआत करते हुए अपने मूल गांव लुहारी से बड़ौत कस्बे तक बहनों के लिए निशुल्क ई रिक्शा चलवाकर समाज हित में एक उदाहरण पेश किया है।

निशुल्क ई रिक्शा संचालन कार्यक्रम का उद्घाटन समाजसेवी एवं रालोद खेलकूद प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महासचिव डॉक्टर संजीव आर्य ने झंडी दिखाकर किया। उन्होंने बताया कि वे लुहारी गांव के रहने वाले हैं और गांव लुहारी से बड़ौत आने जाने के लिए कोई बस सेवा नहीं है। ऐसे में



गांव की महिलाओं बहनों को कस्बे तक जाने के लिए बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है, इसलिए उन्होंने रक्षाबंधन जैसे पवित्र पर्व पर बहनों को अपने भाईयों तक पहुंचने के लिए गांव लुहारी से बड़ौत तक आने जाने के लिए फ्री ई रिक्शा का प्रबंध किया है। जिसके लिए 25 ई रिक्शा छोड़ी गई है। इन रिक्शाओं में बहनों

का आना जाना फ्री रहेगा। उनकी ओर से शुरू की गई इस पहल को चारों ओर सराहा जा रहा है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से अजीत कुमार एडवोकेट, भीम सिंह, सुधीर सिंह, कुलतार सिंह, सेवा राम दांगी, हरबीर सिंह, सुभाष जोशिया, मनोज कुमार, मोनु कुमार दागी, सहदेव सिंह, विनोद कुमार मौजूद थे।

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

ब्रिजघाट। ब्रिजघाट बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार प्रशासन पहुंचकर समाज का सहयोग कर रहा है परंतु इस कार्य में सामाजिक संस्थाएं भी किसी से पीछे नहीं हैं बगैरे लोक भारती से जुड़े 81 परिवार ब्रिजघाट स्थित गंगानगर के टापू पर रहते हैं जहां उनके घरों में भी दो-दो फीट पानी तथा उनकी बस्ती में तीन तीन चार चार फीट पानी पहुंच गया है जिस कारण उनकी रोजाना की जिंदगी बहुत ही कष्ट में हो गई है। इस अवसर पर नेह नीड एवं लोक भारती के कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर उनके बीच धुना चना मुरुरे



मीठी खील एवं मच्छरों से बचाव की सामग्री का वितरण किया। नहीं नीड के संस्थापक कन्हैयालाल ने इस अवसर पर कहा कि वास्तव में बंगाली परिवारों

नगरपालिका उपचुनाव: वार्ड पांच के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट बनीं वंशिका सिंह

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। नगरपालिका वार्ड पांच के उपचुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने

- 11 अगस्त को होगा मतदान, 13 को मतगणना

खेकड़ा की नायब तहसीलदार

वंशिका सिंह को सेक्टर मजिस्ट्रेट नामित किया है। उन्हें मतदान से लेकर मतगणना तक चुनाव प्रक्रिया की निगरानी का जिम्मा सौंपा गया है। गौरतलब है कि वार्ड पांच के सभासद राजीव गोयल का दो माह

पूर्व निधन हो गया था। इसके चलते निर्वाचन आयोग ने उपचुनाव की घोषणा की है। मतदान 11 अगस्त को और मतगणना 13 अगस्त को कराई जाएगी। चुनाव में दिवंगत सभासद

की पत्नी मीता गोयल और पूर्व सभासद नरेश धामा आमने-सामने हैं। दोनों प्रत्याशी वार्ड में डोर-टू-डोर जनसंपर्क कर रहे हैं और मतदाताओं को अपने पक्ष में करने में जुटे हैं।

सूचना विभाग ने लॉन्च किया ‘सूचना सेतु ऐप’, एक क्लिक पर मिलेगी हर जरूरी जानकारी सरकारी सेवाएं अब हर आम नागरिक की पहुंच में, एक दफ्कोड से जुड़ेगा पूरा बागपत

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। बागपत जिला प्रशासन ने एक नवोन्मेषी डिजिटल पहल की है, जो नागरिकों को सरकारी सेवाओं से जुड़ने के तरीके को बदल देगी। जिलाधिकारी अस्मिता लाल के निर्देशन में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, बागपत द्वारा ‘सूचना सेतु ऐप’ विकसित किया गया है जो जनपद के नागरिकों को एक ही क्लिक पर प्रशासन, स्वास्थ्य, न्याय, शिक्षा, रोजगार, पंचायत, चुनाव, और अन्य सरकारी संसाधनों से सीधे जोड़ने वाला एकीकृत सूचना पोर्टल है।

जिला सूचना अधिकारी राहुल भाटी ने बताया कि ‘हमारा प्रयास रहा है कि बागपत को सूचना और पारदर्शिता के मामले में राज्य का अग्रणी जिला बनाया जाए। ‘सूचना सेतु ऐप’ इसी सोच का परिणाम है। यह ऐप एक सेंट्रल हब बनकर उभरा है, जहां पर जिला, राज्य और केंद्र

- सरकारी योजनाओं की सहज जानकारी का स्रोत बनेगा सूचना सेतु ऐप

सरकार की तमाम वेबसाइटों, योजनाओं और सेवाओं को एक जगह एकीकृत किया गया है। जानकारी तक सहज पहुंच से नागरिक अधिक सजग, जागरूक और सशक्त होंगे। आरटीआई पोर्टल, जनसुनवाई, रोजगार सूचना, स्वास्थ्य परामर्श आदि लिंक नागरिकों को अपने अधिकारों और प्रशासनिक सेवाओं के प्रति सशक्त बनाते हैं।

इस पहल की सबसे बड़ी खूबी है इसकी समावेशिता। न कोई इंस्टॉल करने की जरूरत, न कोई भारी इंटरफ़ेस। यह ऐप खास बात यह है कि इसे उपयोग करने के लिए उपयोगकर्ता को सिर्फ एक लिंक या ऐप के क्यूआर कोड को स्कैन करना



होगा। जिले के सभी सरकारी भवनों, कलेक्ट्रेट, विकास भवन, पंचायत घरों, अस्पतालों, जनसुविधा केंद्रों और राशन की दुकानों पर क्यूआर कोड स्टिकर के माध्यम से एप का प्रचार प्रसार किया जाएगा।

सूचना सेतु ऐप बनाकर बागपत ने यह कर दिखाया कि ‘स्मार्ट जिला’ सिर्फ स्मार्ट इमारतों से नहीं बल्कि स्मार्ट सोच और सेवा के जन्मे बनता है। यह आईसीटी आधारित समाधान बिना किसी वित्तीय व्यय के

‘सूचना सेतु ऐप’ से नागरिकों को मिलेंगे ये लाभ

- अलग-अलग पोर्टल खोजने की परेशानी से मुक्ति
- सरकारी योजनाओं और सेवाओं की आधी-अधूरी जानकारी से छुटकारा
- बिलियों पर निर्भरता खत्म होगी
- तकनीकी जटिलताओं से दूर एक सरल, इंस्टॉल-फ्री अनुभव
- ग्रामीण नागरिकों के लिए भी सरकारी सेवाओं की सीधी और भरोसेमंद पहुंच
- पारदर्शी शासन और जन-जागरूकता को मिलेगा बढ़ावा

युवा नवाचारक अमन कुमार की सहभागिता से शून्य लागत में विकसित किया गया है। यह पहल ना केवल सूचना के अभाव को दूर करेगी, बल्कि ई-गवर्नेंस, पारदर्शिता, और जन-जागरूकता को बढ़ावा देगी। एकल सूचना पोर्टल की सहायता से नागरिक अब विभिन्न विषयों पर निर्भर हुए बिना सीधी, आधिकारिक और अद्यतित जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। तकनीकी विशेषज्ञ अमन कुमार ने बताया कि यह समाधान यूजर-फ्रेंडली एवं वेब आधारित है। इससे डिवाइस की स्टोरेज लिमिट, बार-बार

अपडेट्स की बाधयता और तकनीकी अक्षमता जैसी समस्याएं नहीं आतीं। ऐप में केवल सरकारी, प्रामाणिक और आधिकारिक लिंक ही जोड़े गए हैं, जिससे भ्रामक जानकारी और फेक न्यूज की गुंजाइश नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल पहुंच को आसान बनाना इस ऐप का प्रमुख उद्देश्य है। भविष्य में ऐप में फीडबैक सिस्टम एवं जनता की भागीदारी के विकल्प आदि जोड़े जाएंगे।

‘सूचना सेतु ऐप’ में मिलेगी ये सुविधाएं

- बागपत जिले की आधिकारिक वेबसाइट
- जिले के शीर्ष एवं अन्य अधिकारियों की संपर्क सूची
- जिला न्यायालय की वेबसाइट
- प्रशासनिक प्रेस नोट्स और सरकारी कार्यक्रमों की सूचनाएं
- बागपत का विकिपीडिया पृष्ठ
- DEO पोर्टल (मतदाता एवं चुनाव संबंधी जानकारी)
- जिलाधिकारी एवं सूचना विभाग, बागपत के फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सएप, यूट्यूब और इंस्टाग्राम पेजों तक दायरेवर्क लिंक

उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय सेवाएं

- ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल (प्रमाण पत्र सेवाएं)
- ई-संजीवनी ओपीडी (वीडियो स्वास्थ्य परामर्श)
- DigiLocker (डिजिटल दस्तावेज संग्रहण)
- सेवायोजन पोर्टल (रोजगार संबंधी जानकारी)
- RTI पोर्टल
- IGRS जनसुनवाई
- यूपी सरकार की वेबसाइट
- सभी विभागों की लिस्ट
- भारत सरकार और राष्ट्रीय पोर्टल 2.0

हाल ही में संपन्न हुए श्रावणी महाशिवरात्रि कांवड़ मेले में पुरामहादेव मंदिर पर आए लाखों

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए भी प्रशासन ने कांवड़ यात्रा एप लॉन्च किया था।

श्री वैक्टेश्वरा विश्वविद्यालय में नवप्रेषित छात्र-छात्राओ के लिए ओरिन्टेशन प्रोग्राम का शानदार आयोजन

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय एवं इन्डस्ट्री की डिमाण्ड के अनुरूप ट्रेण्ड प्रोफेशनल्स तैयार कर रहा है वैक्टेश्वरा समूह: सुधीर गिरि

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। छात्र-छात्राओ ने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर नव प्रवेशित यू.जी./पी.जी. के छात्र-छात्राओ के लिए ओरिन्टेशन प्रोग्राम “दीक्षारम्भ -2025” का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान प्रबन्धन एवं प्रशासन ने नवागुन्तक छात्र-छात्राओ को स्वागत करते हुए उन्हें अपने अन्तर्राष्ट्रीय डिमाण्ड के अनुरूप तैयार करने की शपथ दिलाते हुए देश सेवा में जुड़ने का आव्हान किया। समूह चेयरमैन सुधीर गिरि ने सभी नवप्रवेशित यू.जी./पी.जी. पाठ्यक्रमों के छात्र-छात्राओ को नये सुनहरे भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए उनसे शत-प्रतिशत देते हुए देश सेवा में जुड़ने का आव्हान किया। वैक्टेश्वरा संस्थान के रविन्द्रनाथ टैगोर में आयोजित “दीक्षारम्भ -2025” कार्यक्रम का शुभारम्भ



समूह अध्यक्ष सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, कुलपति डॉ0 कृष्ण कान्त दवे, सी0एस0ओ0 भूपेश गुप्ता, आर्थर करिश्मा बाबुलाल, आचार्य अश्विनी, आचार्य सिद्धार्थ, डीन एकेडमिक्स डॉ0 राजेश सिंह, कुलदीप सिंह, आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के समुख दीप प्रज्ज्वलित करके किया। अपने सम्बोधन में संस्थापक

अध्यक्ष सुधीर गिरि ने कहा कि पूरी दुनिया में भारत की नयी शिक्षा नीति बहुत ही शानदार है, जिसमें सभी क्षेत्रों के युवाओं के लिए ढेरों रोजगार की सम्भावनाएँ निहित है, लेकिन इसके लिए आपको इसके अनुसार खुद को अपग्रेड करना होगा। वैक्टेश्वरा समूह पिछले एक दशक में विभिन्न क्षेत्रों में हजारों स्किलड नर्सिंग/ मैनेजमेंट/ फार्मेसी/



इंजीनियरिंग/ लॉ/ लिबरल आर्ट्स/ एग्रीकल्चर/ एप्लाइड साइंसेस प्रोफेशनल्स तैयार कर चुका है। ये बड़े गौरव की बात है कि संस्थान के प्रोफेशनल्स युवा आज देश एवं दुनिया के विभिन्न शीर्ष संस्थानों में कार्य कर रहे हैं। लेकिन बदलते परिवेश में हमें युवाओं की नयी शिक्षा नीति के अनुरूप राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय जरूरतों के हिसाब से प्रशिक्षित करना

होगा ताकि ये युवा राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कर सके। प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी ने कहा कि पिछले एक दशक में भारतीय युवाओं ने नर्सिंग/ मैनेजमेंट/ फार्मेसी/ इंजीनियरिंग/ लॉ/ लिबरल आर्ट्स/ एग्रीकल्चर/ एप्लाइड साइंसेस/ पैरामेडिकल एवं मेडिकल्स प्रोफेशनल्स में शानदार तरीके से काम

करके भारत का गौरव बढ़ाने का काम किया है। हम अपने यहां प्रवेशित यू0जी0/पी0जी0 के छात्र-छात्राओ को एक सफल एवं सुरक्षित कैरियर देने के लिए प्रतिबद्ध है। “दीक्षारम्भ-2025” कार्यक्रम को कुलपति डॉ0 कृष्ण कान्त दवे ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर कुलसचिव पीयूष पाण्डेय, डीन एकेडमिक्स डॉ0 राजेश सिंह, डायरेक्टर आई0व्यू0ए0सी0 डॉ0 नीतू पवार, डॉ0 ओमप्रकाश गोसाईं, डॉ0 सुमन कुमारी, डॉ0 एस0एन0 साहू, डॉ0 अश्विन सक्सेना, डॉ. एसके श्रीवास्तव, डॉ0 राजवर्द्धन, डॉ0 ऐना ऐरिक ब्राउन, डॉ0 योगेश्वर शर्मा, डॉ0 दर्पण कौशिक, डॉ0 अनिल जायसवाल, लीगल डायरेक्टर देवप्रताप, मेरठ परिसर से प्रताप सिंह एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 मनीष कुमार ने किया।

रक्षा सूत्र का अनोखा पर्व एक राखी बहन के नाम भी....



यू.पी. ऑब्ज़र्वर



रुड़की। ‘श्री श्यामगीत फाउंडेशन’ द सांग ऑफ चैज के द्वारा सुभाषनगर रुड़की में रक्षाबंधन के पर्व को बड़े उत्साह से मनाया गया। संस्था के द्वारा इस वर्ष इस पर्व को ‘एक राखी बहन के नाम भी’ के नए विचार के साथ जागरूक करते हुए मनाया। महिला सशक्तिकरण का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए संस्था ने समाज में नारी शक्ति के प्रति आदर व सम्मान की भावना को बलवती किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य रक्षा बंधन के पावन पर्व पर भाइयों के प्रति प्रेम व आदर दर्शाते हुए बहनों को भी समकक्ष लाने का आग्रह किया क्योंकि बहनों की बहनों के प्रति शुभकामना को पहचानना व उसे स्वीकार कर मान देना इस पर्व की शोभा व सार्थकता को बढ़ाता है। इसके लिए नारे के रूप में सभी ने यह संदेश दिया कि ‘एक नया संदेश ये भेजो, भाई के संग बहना को, अजय परवर्धन, डॉ. शहजाद, डॉ. वारिस बिलाल, डॉ. रफीदा, डॉ. अंकिता, डॉ. रिषभ बत्रा, डॉ. राजामहारी, एस.कृष्णा, मेरठ परिसर निदेशक डॉ0 प्रताप मीडिया लम्बाग 50 महिलाओं की उपस्थिति रही जिन्होंने सभी गतिविधियों में

उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ कृष्ण वंदना से हुआ तदोपरत सभी बहनों ने अपने पतक स्थान के साथ अपना परिचय देते हुए अपनी मधुर स्मृतियों को ताजा किया। भाइयों के लिए अपने हाथों से शुभकामना संदेश लिखे। सभी बहनों ने एकदूसरे के सुख-दुख में साथ देने को सहायक होने के वचन के साथ एकदूसरे को रक्षा सूत्र बांध कर समाज में एकता और मजबूत संबंधों का पावन संदेश देते हुए रक्षा बंधन के पर्व को नए संकल्पों से मना कर समाज को नई दिशा दी। इस कार्यक्रम में बहिन सरिता , प्रीति, अनुराधा, मंजू, नीलम, मुन्नि, संगीता, पिंकी, अंगूरी, विमला, रीता, बबोता, वंदना, पारल, आंचल, निवेदिता, शिखा, लक्ष्मी, मनोरमा, सीमा, आशा, मधु, ईशा, आदि ने प्रतिभाग किया और इस प्रकार सोहार्दपूर्ण वातावरण में रक्षाबंधन पर्व का कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

पुण्यतिथि पर याद किए गए महान शिक्षाविद स्वामी डालचंद शर्मा



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। क्षेत्र में शिक्षा की अग्रगण्य जगहों वाले महान शिक्षाविद स्वामी डालचंद शर्मा की पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को महाराम मालवीय डिग्री कॉलेज में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके शिक्षा क्षेत्र में दिए गए योगदान को याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वामी डालचंद शर्मा ने पंडित मदन मोहन मालवीय जी से प्रेरणा लेकर वर्ष 1936 में शिक्षा प्रसारक मंडल, खेकड़ा की स्थापना की थी। ग्रामीण अंचल के युवाओं को उच्च

शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से उन्होंने एंग्लो संस्कृत जूनियर हाई स्कूल की स्थापना की, जो आगे चलकर खेकड़ा में शिक्षा का केंद्र बिंदु बन गया। इन्हीं प्रयासों का परिणाम था कि वर्ष 1959 में महाराम मालवीय डिग्री कॉलेज की स्थापना हुई, जिसने हजारों विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की। इस संस्था से शिक्षित होकर कई छात्र देश-विदेश में अपनी पहचान बना चुके हैं। हाल ही में इसी कॉलेज के पूर्व छात्र राजेश कुमार गुप्ता ने जबलपुर हाईकोर्ट के जज के रूप में पदभार देश-विदेश किया, जो कॉलेज और नगर दोनों के लिए गौरव का विषय है।

वैक्टेश्वरा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में ‘विश्व स्तनपान सप्ताह-2025’ का समापन



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वैक्टेश्वरा विश्वविद्यालय के अधीन विम्स मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में एक सप्ताह (01 अगस्त- 07 अगस्त) से चले आ रहे “विश्व स्तनपान सप्ताह-2025” का शानदार समापन हो गया। एक सप्ताह तक चले इस बीच में विम्स के शिशु एवं बाल रोग विभाग एवं गार्डनी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में वरिष्ठ चिकित्सकों,

मेडिकल/नर्सिंग प्रोफेशनल्स एवं मेडिकल छात्र-छात्राओ ने क्विज कम्पीटीशन, नुककड नाटक, पोस्टर मैकिंग कम्पीटीशन, डिबेट कम्पीटीशन समेत एक दर्जन से अधिक कार्यक्रम आयोजित कर आम जनमानस एवं आये हुए महिला मरीजों को स्तनपान का महत्व/लाभ बताते हुए सभी को “स्तनपान” करने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी ने कुलपति प्रो0 कृष्णकान्त दवे के साथ



मिलकर, “विश्व स्तनपान सप्ताह-2025” में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। वैक्टेश्वरा संस्थान के हॉस्पिटल ब्लॉक में “विश्व स्तनपान सप्ताह-2025” की “क्लोजिंग सेरेमनी” का शुभारम्भ संस्थापक अध्यक्ष श्री सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, कुलपति प्रो0 कृष्णकान्त दवे, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 सुरेश जी मेहता, पीडिया विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश बंसल आदि ने

सरस्वती माँ की प्रतिमा के समुख दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस अवसर पर वरिष्ठ ओथों सर्जन डॉ. नजमुल हुदुद, स्त्री रोग विभागाध्यक्ष डॉ. रेहाना हुदुद, डॉ. बी.एन. सिंह, डॉ. श्वेता सिंह, डॉ. अजय परवर्धन, डॉ. शहजाद, डॉ. वारिस बिलाल, डॉ. रफीदा, डॉ. अंकिता, डॉ. रिषभ बत्रा, डॉ. राजामहारी, एस.कृष्णा, मेरठ परिसर निदेशक डॉ0 प्रताप मीडिया लम्बाग 50 महिलाओं की उपस्थिति रही जिन्होंने सभी गतिविधियों में

नेह नीड़ परिसर में तीन नवीन भवनों का लोकार्पण एवं बालिका व्यक्तित्व विकास शिविर का उद्घाटन सम्पन्न



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गढ़मुक्तेश्वर। आज नेह नीड़ परिसर में तीन नव निर्मित भवनों – साधक आवास, प्रज्ञा मंडप, तथा गौ सदन – का भव्य लोकार्पण समारोह अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और गौरव के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अशोक कटारिया (MLC), अंतरराष्ट्रीय

कथा वाचक व मानस मर्मज्ञ श्री अतुल कृष्ण भारद्वाज जी, अरविंद औझा, एवं स्वामी जीवन ऋषि जी महाराज ने विधिवत रूप से इन भवनों का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की भूमिका नेह नीड़ के संस्थापक कन्हैया द्वारा प्रस्तुत की गई, जिन्होंने अपने संकल्प, दूरदर्शिता और समर्पण से नेह नीड़

को सेवा, संस्कार और शिक्षा का सशक्त केंद्र बनाया है। साथ ही, 6 दिवसीय बालिका व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन हुआ, जो 1 अगस्त से 6 अगस्त 2025 तक चला। इस शिविर में बालिकाओं को आत्मरक्षा, नैतिक शिक्षा, संवाद कौशल, नेतृत्व क्षमता और आत्म-विश्वास जैसे विषयों में विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इस विशेष अवसर पर दिनेश गर्ग, कपिल नागर, हरेंद्र तेवतिया विधायक गढ़मुक्तेश्वर सहित अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने संस्था के प्रयासों की मुक्तकंठ से सराहना की। यह कार्यक्रम केवल भवनों के उद्घाटन या शिविर के प्रारंभ का नहीं, बल्कि समाज में सशक्तिकरण, सेवा और संस्कार के नए अध्याय का उद्घाटन था।

अग्रवाल महासंघ के नवनिर्वाचित नगर अध्यक्ष का स्वागत



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बड़ौत (बागपत)। अग्रवाल महासंघ बड़ौत के अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित रवि गर्ग का भारतीय वैश्य परिवार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की युवा इकाई के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सचिन गुप्ता ने अपने प्रतिष्ठान पर जोरदार स्वागत व अभिनन्दन किया। इस अवसर पर भारतीय वैश्य परिवार महासंघ व अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के युवा

कार्यकर्ताओं ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उनको निर्विरोध चुने जाने पर समाज के संगठनों ने बधाई व शुभकामनाएं दी। बधाई देने वालों में युगल किशोर गर्ग, राकेश मोहन गर्ग, जयभगवान गर्ग, डॉ राजीव गुप्ता, राममोहन गुप्ता, सचिन गुप्ता, एडवोकेट रामकुमार अग्रवाल, अजीत प्रसाद जैन, अर्चित गुप्ता, संजय गुप्ता, नवल गोयल, आर्यन गुप्ता, विकास गुप्ता आदि शामिल रहे।

सफाई मित्रों को राखी बांध पुष्प वर्षा कर किया सम्मान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बड़ौत (बागपत)। नगरपालिका परिषद में गठित मोहल्ला स्वच्छता समितियों की अध्यक्षों, स्वच्छता बांड एंसेसडर एवं आईटीसी मिशन सुनहरा कल के सहयोग से सफाई मित्रों को समर्पित रक्षाबंधन का लौहार बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया, जिसमें सफाई कर्मियों के ऊपर पुष्प वर्षा की गई एवं माथे पर टीका लगाकर उनकी कलाई पर राखी बांधी गई। ब्रांड एंसेसडर श्रीमती मोनाक्षी सिसोदिया के द्वारा समस्त समिति अध्यक्षों को साथ लेकर जैविक खाद और पौधे वितरित किए गए। सभी को होम कंपोस्टिंग करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पथर मंडी मोहल्ला स्वास्थ्य समिति अध्यक्ष श्रीमती मोनाक्षी सिसोदिया, मास्टर सीताराम मोहल्ला स्वच्छता समिति अध्यक्ष शिल्पी जैन, आजाद नगर मोहल्ला स्वच्छता समिति अध्यक्ष



श्रीमती राजेश उज्जवल, पिंकी, मोनिका उपाध्याय, सुपरवाइजर पिंकी राम, सुपरवाइजर सोनू, वेस्ट कलेक्टर राकेश लोकेन्द्र दीपक नकुल जोगिंदर सनी धर्मपाल राजीव सुनील राजेश

राजा आईटीसी मिशन सुनहरा कल के अर्बन कोऑर्डिनेटर सुनील कुमार, स्वच्छ भारत मिशन से सुकुल सैनी, परियोजना विश्वेश्वर एवं उदित बालियान उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारीज संत गोष्ठी: रक्षाबंधन पर जब रक्षा सूत्र बंधवाकर गौरवान्वित हो गए संत !

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

हरिद्वार। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के हरिद्वार सेवा केंद्र पर रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में संत गोष्ठी का आयोजन किया गया। ब्रह्माकुमारीज देहरादून सब जोन इंचार्ज राजयोगिनी मंजू दीदी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परमहंस आचार्य ब्रह्मनिष्ठ महामंडलेश्वर देवानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि की प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के इस सभागार में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रक्षाबंधन के कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। मेरा सौभाग्य है कि ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा आयोजित इस रक्षाबंधन के कार्यक्रम में मेरा पिछले कई वर्षों से आमन हो रहा है। मैं बहनों से राखी



बंधवाकर अपने आप को अभिभूत अनुभव करता हूँ। इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय की एकता, प्रेम, और सेवा भाव से मैं बहुत-बहुत प्रभावित हूँ। मुझे यहां आकर अपनेपन का अनुभव होता है। निस्वार्थ स्नेह का अनुभव होता है। ईश्वरीय प्रेम का अनुभव होता है। मुझे ऐसा नहीं लगता कि मैं किसी दूसरे के घर में आया मुझे ऐसा महसूस

होता है कि यह मेरा घर है मेरा आश्रम है, इसलिए मैं बार-बार आता हूँ और बहनों से राखी बंधवाता हूँ। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज एक ऐसी संस्था है, जो अपने केंद्रों पर नियमित तत्संग करती है और पूरी तरह से विवाद रहित है। आचार्य हरिहरानन्द महाराज ने कहा कि पंचपुरी हरिद्वार में रक्षाबंधन सामुहिक रूप से मनाने की परंपरा

ब्रह्माकुमारीज ने अपनाई हुई है, जिसमें बड़ी संख्या में संत सम्मिलित होते हैं। संतो को गुणग्राही होना चाहिए। मतमानांतर होते हुए भी हम ब्रह्माकुमारीज के प्रशंसक हैं। महंत गोविंददास महाराज ने कहा कि राजा बलि की कथा में रक्षाबंधन का उल्लेख है, भागवत पुराण के अनुसार रक्षाबंधन हमारी वैदिक परंपरा है, जिसमें भाई बहन के प्रेम का



सूचक है। महंत गंगा दास महाराज ने कहा कि शब्द बन्धन है किंतु चर्चा मुक्ति की होती है। विकारी से मुक्ति का यह बड़ा केंद्र है। ब्रह्माकुमारीज व संत समाज का लक्ष्य एक ही है, इसलिए हम एक होकर रहेंगे। शंकर मठ आश्रम रुड़की के पीठाधीश्वर दिनेशानंद भारती महाराज ने कहा कि



हमारा दायित्व धर्म परंपरा के अनुरूप जीवन जीने के लिए आमजन को प्रेरित करना है। ब्रह्माकुमारीज चरित्र निर्माण की विश्वव्यापी संस्था है, जिससे संसार लाभान्वित हो रहा है। आज देवभूमि ही संकट में है, विधर्म निरंतर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज ने सन्यासियों की भी अपना भाई बना दिया है। यह इन बहनों के प्रेम का ही प्रतिफल है। महामंडलेश्वर स्वामी

संतोषानंद जी महाराज ने कहा कि मैंने ब्रह्माकुमारीज में दिव्यता, एकता और ईश्वरीय प्रेम का अनूठा संगम देखा है। ब्रह्माकुमारी बौद्ध मोना दीदी ने संतो का इस अवसर पर गरिमामयी स्वागत किया। ब्रह्माकुमारी मंजू दीदी ने माउंट आबू से आए रक्षाबंधन ईश्वरीय सन्देश संतो को पढ़कर सुनाया और उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी। उन्होंने सभी सन्त महात्माओं की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा व सभी की मीठा बोलने की प्रतीक मिठाई खिलाकर मुख मीठा कराया। इस अवसर पर ब्रह्मा कुमार सुशील भाई, रुड़की केंद्र प्रभारी बौद्ध गीता दीदी, वरिष्ठ साहित्यकार श्रीगोपाल नारसैन सहित इस कार्यक्रम में 40 महामंडलेश्वर, संत -महंत उपस्थित रहे।

हम जियेंगे स्वदेशी के लिए और मरेंगे देश के लिए: सीएम योगी

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया राष्ट्रभक्ति का आह्वान



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के समापन पर देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वर्तमान पीढ़ी से राष्ट्रभक्ति और स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी हमारे जीवन का ध्येय बने, स्वदेशी हमारे जीवन का मंत्र बने, हम जियेंगे स्वदेशी के लिए, हम मरेंगे अपने देश के लिए।

अपनी राष्ट्रभक्ति की इस पराकाष्ठा के साथ जब भारत आगे बढ़ेगा तो दुनिया की कोई ताकत भारत का बाल भी बांका नहीं कर पाएगी। उन्होंने कहा कि आजादी का यह संदेश हम सबको इस उद्देश्य के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रहा है। कार्यक्रम के अवसर पर मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री ने कहा- तिरंगा हर घर पहुंचे, स्वदेशी बने जीवन का मंत्र
- बलिदानी क्रांतिकारियों को मुख्यमंत्री योगी ने दी श्रद्धांजलि, कहा- हर भारतवासी के हृदय में हो राष्ट्रभक्ति

योगी आदित्यनाथ ने काकोरी ट्रेन एक्शन में शहीद हुए देश के सपूतों को नमन किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पीपल का पौधा भी लगाया। छोटी बालिकाओं के हाथों राखी भी बंधवाई और बेटियों को मिठाई और चॉकलेट भी उपहार में दी। इसके बाद उन्होंने म्यूजियम में सेल्फी और फोटोशूट भी कराया। मुख्यमंत्री ने

काकोरी के क्रांतिकारियों ने जगाई राष्ट्रभक्ति की ज्वाला

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 9 अगस्त 1925 को काकोरी में जिन महान क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश हुकूमत के खजाने पर कब्जा कर उस धन को आजादी की लड़ाई में लगाया था, उन्होंने राष्ट्रभक्ति की जो ज्वाला जलाई, उसका ही परिणाम है कि 1947 में देश आजाद हुआ। उन्होंने याद दिलाया कि उस ट्रेन एक्शन में सिर्फ 4600 लूटे गए थे, लेकिन ब्रिटिश हुकूमत ने उन्हें पकड़ने में 10 लाख से ज्यादा खर्च किए। उन क्रांतिकारियों (पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खां, ठाकुर रेशन सिंह, राजेंद्रनाथ लाहिड़ी और अन्य को बिना सुनवाई के फांसी दी गई। चंद्रशेखर आजाद ब्रिटिश हुकूमत के हाथ नहीं लगे, बल्कि वो स्वयं मुकाबला करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। आज यह शताब्दी महोत्सव उन महान क्रांतिकारियों के स्मरण का महान दिवस है। हमारी वर्तमान पीढ़ी के लिए नई प्रेरणा है। आज से 100 वर्ष पहले इस महान आजादी को लेकर जिन क्रांतिकारियों ने खुद को बलिदान दिया था, उनका पुनः स्मरण करके उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए हर देशवासी को प्राण प्रण से जुटना चाहिए।

शहीद सैनिकों के परिजनों को भी मंच पर सम्मानित किया, जबकि काकोरी ट्रेन एक्शन की घटना पर आधारित एक पुस्तक का भी विमोचन किया। इस दौरान संस्कृति विभाग के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ, जिसमें काकोरी ट्रेन एक्शन की उस घटना को प्रस्तुत किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आर्थिक ताकत भी राष्ट्रनिर्माण से जुड़ी

है और जब हम विदेशी वस्तुएं खरीदते हैं, तो न सिर्फ हमारा पैसा विदेश जाता है, बल्कि वही पैसा आतंकवाद और उग्रवाद में उपयोग होता है। उन्होंने अपील की कि आने वाले त्यौहारों (रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, दशहरा, दीपावली, छठ) में स्वदेशी वस्तुएं ही उपहार में दें और खरीदें। उन्होंने कहा कि पर्व और त्यौहारों में जब हम इस दौरान कोई स्वदेशी वस्तु खरीदते हैं

तो हमारे हस्तशिल्प और कारीगर काम पाते हैं। यह देश के विकास, उद्यथान में खर्च होगा।

हम जो भी उपहार देंगे या अपने घर के लिए खरीदेंगे, भले ही तात्कालिक रूप से थोड़ा महंगा हो, लेकिन वही खरीदेंगे जो स्वदेशी होगा। मुख्यमंत्री ने 2 अक्टूबर को हर उत्तर प्रदेशवासी से गांधी आश्रम जाकर खादी खरीदने का संकल्प लेने की

हर घर तिरंगा, हर मन में राष्ट्रभक्ति का हो संकल्प

सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन के मन में पुनः प्रतिष्ठित करना आज का हमारा संकल्प होना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए आह्वान को दोहराते हुए कहा कि हर घर पर तिरंगा फहराया जाए, हर गांव और नगर निकाय, वार्ड में तिरंगा यात्रा निकले, यही हमारी आजादी के अमृत महोत्सव की सार्थकता होगी। उन्होंने कहा कि हर घर के ऊपर ये तिरंगा झंडा हो और हम सब तिरंगा यात्रा के माध्यम से देश की एकता के संदेश को विभाजनकारी मंस्खों को तोड़ते हुए आगे बढ़ाएं। अगर हम इस संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं तो आजादी का यह महोत्सव एक बार फिर से हर भारतवासी को अपने आप से जोड़ने में सफल सिद्ध होगा। देश के स्वाधीनता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री जी ने देशवासियों के सामने यही संकल्प दिया है। हर भारतवासी ने भारत की सेना के शौर्य और पराक्रम को सदैव सम्मान दिया है। हाल ही में दुश्मन देश के द्वारा भारत पर थोपी गई युद्ध का जवाब भारत के बहादुर जवानों में ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से जिस तत्परता के साथ दिया, पूरी दुनिया ने भारत के शौर्य और सामर्थ्य का लोहा माना है।

अपील की।

मुख्यमंत्री ने काकोरी आंदोलन से जुड़े क्रांतिकारियों और वीर सैनिकों के परिजनों को सम्मानित करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा में लगे हर सैनिक और कर्मचारी का सम्मान करना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि लखनऊ के मल्लहाबाद के आम को काकोरी ब्रांड बनाकर पूरी दुनिया में भेजा जाएगा, जो

क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि और क्षेत्र के विकास का माध्यम बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में न केवल स्वतंत्रता सेनानियों को स्मरण कर रही है, बल्कि शहीद स्मारकों के पुनरुद्धार के कार्यक्रम भी चला रही है। उन्होंने मैनुपुरी एक्शन (1915), चौरी चौरा कांड (1922), और काकोरी ट्रेन एक्शन (1925)

जैसे महत्वपूर्ण क्रांतिकारी आंदोलनों को याद करते हुए कहा कि हर सफलता की कीमत होती है और आजादी की वह कीमत हमारे पूर्वजों ने चुकाई थी। अब हमें उनके सपनों का भारत बनाना है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल उपस्थित रहे।

योगी राज: वंचितों को मिला अधिकार और सम्मान, गांव-गांव पहुंची विकास की रेशनी

2017 के बाद कई गुना तक बढ़ा समाज कल्याण की योजनाओं का दायरा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। योगी सरकार ने पिछले आठ साल में समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। 2017 से पहले लोकहित की योजनाएं असली पात्र तक पहुंचने से पहले ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती थीं। योजनाओं का लाभ दिलाने में जाति-मत और मजहब को आधार बनाया जाता था, प्रदेश को गिरीबी से मुक्त राज्य बनाने के लिए सरकारों के पास किसी भी तरह का रोडमैप नहीं था। 2017 के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रदेश की बागडोर संभालते ही योजनाएं न सिर्फ पटरी पर आई हैं बल्कि लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव भी लेकर आई हैं। वृद्धावस्था पेंशन से लेकर सामूहिक विवाह और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग तक जन कल्याणकारी सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में तकनीकी समावेशिता ने इसका दायरा और प्रभावशीलता आज कई गुना तक बढ़ाया है। 2017 के पहले प्रदेश के वृद्धजनों को न सिर्फ 300 रुपये मासिक पेंशन राशि निर्धारित की थी, बल्कि ये भ्रष्टाचार के क्राह रही थी। प्रदेश में सत्ता संभालने के बाद योगी



छात्रवृत्ति योजना में तकनीकी परिवर्तन से आया बड़ा बदलाव, 1.70 करोड़ से अधिक छात्र हुए लाभान्वित

योगी सरकार द्वारा छात्रवृत्ति योजनाओं का पूर्ण कम्प्यूटीरीकरण कर आधार-आधारित ई-पैमेंट सिस्टम लागू किया गया। पूर्वदशम (कक्षा 1-8) और दशमोत्तर (कक्षा 9-12) में अनुसूचित जाति और सामान्य वर्ग के छात्रों को इसका भरपूर लाभ मिला। 2017 के पहले SC के कुल 41.68 लाख (पूर्वदशम) और 12.80 लाख (दशमोत्तर) छात्रों को छात्रवृत्ति दी गई, जबकि सामान्य वर्ग में 2017-18 के 7.77 लाख (पूर्वदशम) और 5.71 लाख (दशमोत्तर) को छात्रवृत्ति दी गई। वहीं योगी सरकार के आठ वर्षों में 1.70 करोड़ से अधिक छात्रों को छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिल चुका है। योगी सरकार ने छात्रवृत्ति वितरण में आधार बेस्ड भुगतान प्रणाली की व्यवस्था लागू कर इसमें पारदर्शिता व समयबद्धता सुनिश्चित की।

सरकार ने इस योजना में समयबद्ध व पारदर्शी पेंशन प्रक्रिया लागू कर प्रदेश के बुजुर्गों और किसानों की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित किया है। जिससे न सिर्फ लाभार्थियों की संख्या बढ़ी है

बल्कि घर बैठे आसानी से पेंशन की राशि प्राप्त कर रही हैं। 2017 के पहले वृद्धावस्था/किसान पेंशन योजना के 37.47 लाख लाभार्थी थे, आठ वर्ष में बढ़कर 67.50 लाख हो गए हैं। यह

करीब 80 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। यही नहीं योगी सरकार ने पेंशन राशि को 300 से बढ़ाकर 1000 प्रतिमाह किया। जो वृद्धजनों के लिए आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करती है। राष्ट्रीय परिवारिक लाभ योजना के तहत गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों, जिनके मुखिया (18-59 वर्ष) की मृत्यु हो जाती है, उन्हें योगी सरकार की ओर से 30,000 की आर्थिक सहायता दी जाती है। 2017 के पहले मात्र 86 हजार परिवार इससे लाभान्वित हुए, जबकि 2024-25 में लाभार्थियों की संख्या बढ़ी और 8,72,896 परिवारों को योजना का लाभ मिला। योगी सरकार द्वारा लाभ देने के प्रक्रिया में ऑनलाइन प्रणाली ने इस योजना को पारदर्शी और समयबद्ध बनाया, जिससे लाखों परिवार आज इस योजना का लाभ उठा रहे हैं। यही नहीं वंचितों को वरीयता का मूलमंत्र को आधार बनाकर योगी सरकार ने बीते आठ वर्षों में 6 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण कार्य किया है। अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के तहत पीड़ित परिवारों को 85,000 से 8,25,000 तक की सहायता दी जाती है। 2017 के

पहले 16,507 दलित परिवारों पर अत्याचार की शिकायत के बाद सहायता प्रदान की गई। वहीं योगी सरकार की सुदृढ़ कानून व्यवस्था और बेरत शासन की बदौलत दलितों पर होने वाले अत्याचार में भारी गिरावट दर्ज आई। योगी सरकार ने सामाजिक न्याय को मजबूती प्रदान की और 2024-25 में पीड़ितों का आंकड़ा गिरकर 13,436 परिवारों तक पहुंच गया है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ने गरीब बेटियों का बसाया घर

यूपी में सत्ता संभालने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गरीब बेटियों को शादी में आने वाले आर्थिक व्यवधान को दूर करने को प्राथमिकता दी। यह योजना अपने लागू होने के साथ ही गरीब बेटियों के उत्थान की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है। अबतक मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 4,76,207 जोड़ों का समूहित विवाह संपन्न हो चुका है। योगी सरकार ने लाभार्थियों के लिए योजना को और सुलभ और आसन कर जरूरतमंद परिवारों के लिए विवाह को सुलभ बनाया है।

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। योगी सरकार ने श्रमिक कल्याण के क्षेत्र में जो दृष्टिकोण अपनाया है, वह अब श्रमिकों के जीवन में बदलाव का उदाहरण बन चुका है। श्रम विभाग और भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (इडइह) के आंकड़ों पर नजर डालें तो साफ पता चलता है कि योगी सरकार केवल घोषणाएं नहीं करती, बल्कि योजनाओं को जमीन पर उतार कर बदलाव सुनिश्चित कर रही है। इस आर्थिक व्यवस्था के केंद्र में शिक्षा, मातृत्व, विवाह, चिकित्सा और आवास जैसी योजनाएं शामिल हैं जो सीधे श्रमिकों की जरूरतों से जुड़ी हैं और उन्हें इसका सीधा लाभ प्राप्त हो रहा है। उत्तर प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024-25 के दौरान 5,57,567 श्रमिकों को बोर्ड की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिला, जिस पर 710.96 करोड़ खर्च किए गए। वहीं 2025-26 में अब तक 10,221 श्रमिकों को बोर्ड की योजनाओं का लाभ मिल चुका है, जिस पर योगी सरकार ने 42.46 करोड़ व्यय किए हैं। भवन एवं अन्य



महिला श्रमिकों के कल्याण पर योगी सरकार का फोकस

हाल ही में जारी महिला आर्थिक सशक्तीकरण सूचकांक में श्रम क्षेत्र में महिलाओं की भादीगारी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। 2017 में श्रम क्षेत्र में महिलाओं की भादीगारी दर जहां 14 प्रतिशत थी वहां 2024 में यह बढ़कर 36 प्रतिशत हो गई है। इसे और बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने योजनाओं में महिलाओं की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए निर्देश दिए हैं। बोर्ड द्वारा संचालित प्रमुख योजनाओं जैसे कन्या विवाह सहायता योजना के अंतर्गत अब तक 84,891 श्रमिक बेटियों के विवाह के लिए योगी सरकार द्वारा 440 करोड़ की सहायता दी जा चुकी है। वहीं मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना के तहत 1,09,841 महिलाओं को 364 करोड़ की सहायता राशि दी गई है। इससे स्पष्ट होता है कि सरकार महिला श्रमिकों को केवल श्रमिक नहीं, बल्कि समाज की रीढ़ मानकर योजनाएं चला रही है।

सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के जरिए महिला सशक्तीकरण की दिशा में भी सरकार ने कई बड़े कदम उठाए हैं। जिससे उत्तर प्रदेश में महिलाओं की स्थिति पहले से 2017 के मुकाबले बेहतर हुई है।

प्रदेश के युवाओं की पहली पसंद बना मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के 4 माह में करीब दो लाख युवाओं ने किया आवेदन

- 4 माह में प्रदेश भर के करीब 42 हजार से अधिक युवाओं को वितरित किया गया लोन
- प्रदेश के युवाओं के सपनों को पंख दो रहा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान
- अभियान से जुड़कर प्रदेश के युवा उपलब्ध करा रहे रोजगार के अवसर, पूरे के विकास को दे रहे गति

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने की दिशा में लगातार आवश्यक कदम उठा रहे हैं। इसी के तहत सीएम योगी प्रदेश के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रहे हैं। इन योजनाओं में मुख्यमंत्री



लखनऊ, कानपुर नगर, आगरा, वाराणसी और प्रयागराज का भी रहा शानदार प्रदर्शन

लखनऊ जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चला कर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान का लाभ दिया जा रहा है। ऐसे में अधिक से अधिक युवाओं को योजना का लाभ देने के लिए हर माह बैंकों से साथ बैठक की जा रही है ताकि योजना से संबंधी को कोई समस्या आए पर उसे तत्काल दुरुस्त किया जा सके। यही वजह है कि पूरे प्रदेश में योजना का लाभ देने में लखनऊ ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। लखनऊ को वर्तमान वित्तीय वर्ष में 3,000 का लक्ष्य दिया गया, जिसके सापेक्ष चार माह में 3,421 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 2,258 आवेदनों को बैंक को भेजा गया, जिसमें से 1,008 आवेदकों को लोन देने के लिए बैंक ने अपनी स्वीकृति प्रदान की है जबकि 920 को लोन वितरित किया जा चुका है। इसके अलावा कानपुर नगर ने 909 युवाओं को लोन वितरित कर प्रदेश में क्रोथा और आगरा ने 903 युवाओं को लोन वितरित कर पूरे प्रदेश में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही योजना का लाभ देने में वाराणसी, प्रयागराज और अंबेडकरनगर का भी प्रदर्शन शानदार रहा।

युवा उद्यमी विकास अभियान योजना प्रदेश के युवाओं की पहली पसंद बन गयी है। इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि वर्तमान वित्तीय वर्ष के

चार माह में अब तक प्रदेश भर में करीब दो लाख आवेदन आ चुके हैं जबकि योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का लक्ष्य 1 लाख 50 हजार रखा है।

इन आंकड़ों से साफ है कि सीएम योगी की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान युवाओं को अपनी आकर्षित कर रही है और वह इससे जुड़कर अपने सपनों को साकार कर रहे हैं।

वहीं योजना का लाभ देने में पूरे उत्तर प्रदेश में जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बाजी मारी है जबकि दूसरे स्थान पर आजमगढ़ और तीसरे स्थान पर लखनऊ है।

पूरे प्रदेश में सबसे अधिक जौनपुर में 1,385 युवाओं को वितरित किया गया लोन

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना का लाभ देने में पूरे प्रदेश में जौनपुर जिले ने सबसे अधिक आवेदकों को लोन वितरित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जौनपुर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे में सीएम योगी की मंशा के अनुरूप जिले में विशेष अभियान चलाकर युवाओं को स्वरोजगार के लिए बैंकों से संपर्क कर लोन उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में जिले को अभियान के तहत 2,200 युवाओं को लोन उपलब्ध कराने का लक्ष्य दिया गया है। इसके सापेक्ष पिछले चार माह में 4,598 आवेदन प्राप्त हुए, जिसके सापेक्ष 3,623 आवेदनों को बैंक को भेज दिया गया है। इनमें से 1,385 आवेदकों को लोन वितरित किया जा चुका है। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि पूरे प्रदेश में पिछले चार माह में जौनपुर ने सबसे अधिक युवाओं को लोन वितरित कर पहला स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह आजमगढ़ ने पूरे प्रदेश में योजना का लाभ देने में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। आजमगढ़ को वर्तमान वित्तीय वर्ष में 2,200 का लक्ष्य दिया गया, जिसके सापेक्ष चार माह में 3,565 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 2,919 आवेदनों को बैंक को भेजा गया, जिसमें से 1,256 को लोन वितरित किया जा चुका है।

चार माह में करीब दो लाख युवाओं ने किया आवेदन

पूरे देश में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ही है, जो प्रदेश के युवाओं को सिर्फ रोजगार उपलब्ध कराने पर जोर नहीं दे रही है बल्कि उन्हें एक मजबूत उद्यमी बनने के लिए सक्षम बना रही है। इसी का असर है कि प्रदेश के युवा न केवल अपने व्यवसाय को बढ़ावा दे रहे हैं बल्कि समाज के लिए भी एक सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना प्रदेश के युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें उद्यमिता की दिशा में प्रेरित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। इस योजना के तहत वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में लक्ष्य 1 लाख 50 हजार के सापेक्ष चार माह में पूरे प्रदेश से 1,96,004 युवा लोन के लिए आवेदन कर चुके हैं जबकि 1,58,595 आवेदनों को बैंक को फॉरवर्ड कर दिया गया है। इनमें से 45,463 आवेदनों को बैंक ने लोन देने की स्वीकृति दे दी है जबकि 42,128 युवाओं को स्वरोजगार के लिए लोन वितरित किया जा चुका है। वहीं, अगर पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 की करें तो एक लाख लक्ष्य के सापेक्ष 1,78,662 आवेदन प्राप्त हुए जबकि 1,44,273 आवेदन बैंकों को फॉरवर्ड किये गये। इनमें से 40 हजार से अधिक आवेदन बैंक ने स्वीकृत किये और 28 हजार से अधिक युवाओं को लोन वितरित किया। इसके लिए एएमएसएमई विभाग की ओर से 113 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी स्वीकृति की गयी।

विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने किया विकास कार्यों का लोकार्पण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए विधायक डॉ. मंजू शिवाच द्वारा दो महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का लोकार्पण संपन्न हुआ।

गांव विद्यापुर में विधायक निधि से निर्मित शाहजहांपुर रोड से भोपाल सिंह के खेत तक खईंजा निर्माण कार्य का लोकार्पण फीता काटकर किया गया। इस कार्य की अनुमानित लागत 4.71 लाख है।

गांव शाहजहांपुर में विधायक निधि से निर्मित शाहजहांपुर मेन रोड से टिंकू पुत्र कमरपाल सिंह के मकान तक इंटरलॉकिंग टाइल्स निर्माण कार्य



का लोकार्पण भी फीता काटकर संपन्न हुआ। इस कार्य की अनुमानित लागत 3.07 लाख है।

इस अवसर पर विधायक डॉ. मंजू शिवाच जी ने ग्रामीणों से भेंट कर

उनका हालचाल जाना एवं उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। इन विकास कार्यों से क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा एवं स्वच्छ और सुदृढ़ बुनियादी ढांचा प्राप्त होगा।

कुशती प्रतियोगिता का आयोजन



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। कस्बा फरीदनगर स्थित आदर्श जनता इंटर कॉलेज के द्वारा विद्यालय स्तरीय

क्षेत्रीय प्रतियोगिता कुश्ती का आयोजन कराया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह तोमर, कुश्ती गुरु वीरेंद्र सिंह त्यागी, क्षेत्रीय प्रतियोगिता संयोजक बाबूराम सिंह, रेफरी

अभिषेक चौधरी, दीपक कुमार, खेल शिक्षक अशोक कुमार एवं विद्यालय प्रबंध समिति द्वारा फीता काटकर किया गया। इस प्रतियोगिता में जोन के अनेक विद्यालयों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। बालक बालिका वर्गों के विजेता खिलाड़ी जिला स्तर की प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

हर घर तिरंगा व संस्कार महोत्सव का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। तुंरां माहेश्वरी पी० बी० ए०एस० कन्या इण्ट कॉलेज में हर तिरंगा महोत्सव के कार्यक्रम में राखी, रंगोली प्रतियोगिता एवं काकोरी ट्रेन के शताब्दी महोत्सव के अंतर्गत प्रभात फेरी निकल गई। विद्यालय में निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। राखी प्रतियोगिता के बाद सैनिकों के सम्मान में राखियाँ भेजी गयीं। विद्यालय में सदनवार संस्कार समारोह मनाया। छात्राओं को विभिन्न दायित्वों के लिए बैच प्रदान कर शपथ दिलाई गयी। इस समारोह के मुख्य अतिथि नगरपालिका चैयरमैन विनोद वैशाली, प्रबन्ध समिति विद्यालय के गौरव



शामिल हुए।

इस अवसर पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मोदीनगर नरेश कुमार शर्मा तथा नगर पालिका के अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। विद्यालय की प्रधानाचार्या डा० संगीता शर्मा ने

सभी अतिथियों को बैच लगाकर तथा प्रतिक चिन्ह देकर स्वागत किया। छात्राओं ने अतिथियों को राखी बांधी। कु० शुभांगी पाठक रजनी, विशाखा, सुमन आदि सभी सदस्यों का सहयोग रहा।

उमेश मोदी स्पोर्ट्स एकेडमी ने सीबीएसई क्लस्टर टाईव्वांडो प्रतियोगिता में लिया भाग



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। उमेश मोदी स्पोर्ट्स एकेडमी जो कि दयावती मोदी पब्लिक स्कूल में स्थित है से 12 बच्चों ने सीबीएसई क्लस्टर टाईव्वांडो प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें से 6 बच्चों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 6 मेडल प्राप्त किए।

जिनमे एक मिस प्रेक्षा ने उमेश मोदी स्पोर्ट्स एकेडमी के कोच रेशव

चौहान के निर्देशन में गोल्ड मेडल प्राप्त किया अन्य छात्रों में अर्नव भारद्वाज ने ब्रॉज, विजित कुमार ने ब्रॉज, केशव गुप्ता ने ब्रॉज, माधव गुप्ता ने सिल्वर मेडल, और वंश शर्मा ने ब्रॉज मेडल प्राप्त किए।

उमेश मोदी स्पोर्ट्स एकेडमी अपने सभी विजेताओं का हार्दिक अभिनंदन करती है और उनके उज्जल भविष्य कि कामना करते हुए उनके माता पिता को बधाई देती है।

मोदी कॉलेज में हर घर तिरंगा अभियान मनाया जा रहा है: डॉ एस सी अग्रवाल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डॉक्टर के एन मोदी साईंस एंड कॉमर्स कॉलेज में मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन के पत्र के क्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक गाजियाबाद डॉक्टर धर्मेन्द्र शर्मा के निर्देशों के अंतर्गत विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल के अध्यक्षता में विद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में हर घर तिरंगा की भावना, राष्ट्रीय अस्मिता, देशभक्ति गौरव के जन भागीदारी आंदोलन के रूप में तिरंगा राखी बनाने की प्रतियोगिता छात्रों के मध्य आयोजित की गई।

प्रतियोगिता में छात्रों ने बड़ चढ़कर भाग लिया। ये राखियाँ जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से सैनिकों और पुलिसकर्मियों को भेजी गईं। 2022 से हर घर तिरंगा अभियान विद्यालय में भव्य रूप में आयोजित



किया जा रहा है। यह अभियान छात्रों के लिए उन स्वतंत्रता सैनानियों और सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने का एक विशेष अवसर भी है जिन्होंने राष्ट्र की सेवा और तिरंगे के सम्मान में अपने प्राणों की आहुति दी है। इस प्रतियोगिता के

आयोजन में विद्यालय की कला प्रवक्ता वर्षा रानी और रेखा रानी नरेश प्रजापति मयंक कुमार गौरव त्यागी का विशेष सहयोग रहा।

प्रधानाचार्य डॉ सतीश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि विद्यालय में कल एक विशाल तिरंगा साइकिल

रैली और तिरंगा रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी राजकुमार सिंह, तेजपाल सिंह, लाल मोहन सिंह, अजय कुमार संजीव कुमार प्रवीण जैन आदि उपस्थित थे।

डॉ. पी कुमार ने मुख्य सचिव व यूपी इन्वेस्ट सीईओ से की मुलाकात



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। एसोचैम के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉक्टर पी कुमार ने लखनऊ सचिवालय में मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश सरकार एसपी गोयल व वरिष्ठ आईएसएस एवं सीईओ यूपी इन्वेस्ट और सचिव इंडस्ट्री विजय किरन आनंद से मिलकर जिला स्तर पर नए उद्योग

लगाने एवं यूपी सरकार की नई उद्योग नीति के जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा शिथिल क्रियान्वयन को लेकर चर्चा की। इस अवसर पर विजय किरण द्वारा भरोसा दिलाया गया कि शीघ्र ही सभी समस्याओं का समाधान कर दिया जाएगा। इस मौके पर जिला स्तर के अधिकारियों को समस्याओं के समाधान हेतु निर्देश दिए गए।

सूत्र- सृजन स्वाभिमान थीम पर फैशन शो का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज ,मोदीनगर की गृह विज्ञान विभाग(स्वचित पोषित)की छात्राओं ने दिनांक 7/8/25 को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ,मेरठ के अटल सभागार में 11वीं राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह के अवसर पर सूत्र -सृजन और स्वाभिमान थीम पर फैशन शो किया जिसमें छात्राओं ने स्व- निर्मित मैजिक ऑफ थ्रेड्स यानी कि धागों की जादूगरी करके अपना हुनर प्रस्तुत किया।

इसमें मेक़म ,क्रोशिया, बुनाई ,हैंड पेंटिंग, प्लेन और बास्केट बुनाई की ड्रेस पहनकर फैशन शो किया गया। इसमें स्व- निर्मित धागों, मोती, क्रोशिया और फैब्रिक से बनी ज्वेलरी धारण की गई, जिसको कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला तथा अन्य अति



विशिष्ट अतिथियों के द्वारा अत्यधिक सराहा गया तत्पश्चात फैशन शो की पूरी टीम को मंच पर कुलपति द्वारा प्रतीक चिन्ह तथा प्रमाण पत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया। फैशन शो का नेतृत्व क्लॉथिंग एंड टेक्स्टाइल विभाग की विभागाध्यक्षा डॉक्टर मीनू अग्रवाल, एम.ए. गृह विज्ञान की विभागाध्यक्षा डॉ राखी मित्तल, ऑसिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती राखी शर्मा तथा गायत्री द्वारा किया

गया। फैशन शो में रश्मि ,ऋतुपर्णा, खुशबू ,रूबी, अंजलि, सना, भव्या,विधि, रिशिता, सोनिया, कनक तथा दीपांशी ने कुशल सहभागिता की। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर पूनम शर्मा तथा सलाहकार डॉ रीता बख्शी(के एन मोदी ग्रुप) ने अटल सभागार में फैशन शो की सफलता पर शिक्षिकाओं तथा छात्राओं को मंच से ही शुभकामना प्रेषित की, तथा फैशन शो और

सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद उठाया।

फैशन शो का मुख्य उद्देश्य हथकरघा और हस्तशिल्प के महत्व को उजागर करना और युवा पीढ़ी को इससे जोड़ना था। क्रिएशन ऑफ थ्रेड्स और प्राइड थीम पर आधारित फैशन शो न केवल एक कला प्रस्तुति थी बल्कि यह भारतीय हस्तकला की गरिमा और गौरव को मंच देने का एक सार्थक प्रयास भी था।

चित्रकला प्रतियोगिता में 300 प्रतिभागियों ने बिखेरे रंग, स्वतंत्रता और संस्कृति की झलक

मोदीनगर में उत्थान फाउंडेशन और मोदी आइफा आर्ट गैलरी द्वारा भव्य आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में अग्रणी सामाजिक संस्था उत्थान फाउंडेशन एवं मोदी आइफा आर्ट गैलरी के संयुक्त तत्वावधान में गैलरी प्रांगण, मोदीनगर मे एक भव्य चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में शहर एवं आसपास के विद्यालयों के लगभग 300 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता को कक्षा के आधार पर चार समूहों में विभाजित किया गया। समूह ए (कक्षा 2-5), समूह बी (कक्षा 6-8), समूह सी (कक्षा 9-12) और समूह डी (कक्षा 12 से ऊपर) जिसमें हर प्रतिभागी को प्रतियोगिता के लिए दिये गए पांच विषय सैनिकों का जीवन, मेरे सपनों का भारत, भारत झंझ संस्कृति और विरासत की भूमि, अनेकता में एकता और रंगों में मेरा भारत, मे से अपने चर्यनित विषय



पर चित्र बनाना था।

प्रतिभागियों ने अपने चित्रों में देशभक्ति, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, राष्ट्र-निर्माण और सांस्कृतिक विरासत के भावों को रंगों के माध्यम से जीवंत किया। कागज पर उतरे रंगीन विचार और रचनाएँ दर्शकों के लिए भी प्रेरणादायक रही। उद्यान फाउंडेशन के अध्यक्ष सी.ए. राहुल जैन ने बताया कि निर्णायक मंडल में कला जगत और मोदिनगर शहर की प्रतिष्ठित हस्तियाँ शामिल थीं – जिसमें डॉ सदीप कंसल,

शलभ गुप्ता, सुनील भार्गव, ऋतु अग्रवाल, गीता ढींगरा, सोनिया गर्ग, विनय सहारन, रुचि गुप्ता, गौरव जैन, रश्मि मलिक, सुशांत ढींगरा, रुचि विद्यार्थी, दीपांशु, स्वीटी और शीतल रहे। निर्णायकों ने सैकड़ों चित्रों का सूक्ष्म मूल्यांकन कर प्रत्येक समूह में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के विजेताओं का चयन किया। सभी विजेताओं को स्मृति-चिन्ह दोनों संस्थाओं द्वारा आयोजित स्वतंत्रता दिवस के आगामी कार्यक्रम मे प्रदान

किये जाएंगे, जबकि आज सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। आइफा के मैनेजर डॉ संघर्ष शर्मा ने अपने संबोधन में कहा, 'ऐसे आयोजन बच्चों की रचनात्मकता और सोच को नई दिशा देते हैं, साथ ही उन्हें देश और समाज के प्रति जिम्मेदारी का अहसास कराते हैं' विशेष अतिथि सतीश अग्रवाल ने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों की कला में भविष्य का भारत दिखता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सोनिका जैन (संस्थापक सचिव, उत्थान फाउंडेशन) ने किया। आयोजन को सफल बनाने में अमित बंसल, प्रदीप बोस, अनुपम महेश्वरि, निरु भार्गव, भोलेन्द्र कुमार, डॉ रश्मि विद्यार्थी, कामाक्षी महेश्वरी, निशु, कविता गुप्ता, ज्योति रानी, प्रीति शर्मा, प्रशांत झा, प्रज्ञा गुप्ता, ऋतु कपूर, सिद्धार्थ, अंशु कुमार एवं दोनों संस्थाओं के सभी पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों का विशेष योगदान रहा।

॥ विशुद्ध हवन सामग्री ॥

विशुद्ध जड़ीबूटियों जटामांसी, नागकेशर, अपामार्ग, अश्वगंधा, वचा, बालछड़, पीली सरसों, चंदन, हाडबेर, मालकांगनी, किंशुक पुष्प, गुलाब पुष्प, सुगंध कोकिला, लोध्र पठानी, बेल गिरी, गुग्गुलु, हल्दी, अष्टगंध, सर्वोषधि आदि 73 प्राकृतिक जड़ियों से निर्मित।

निर्माता एवं विक्रेता

॥ श्री पीताम्बरा विद्यापीठ सीकरीतीर्थ ॥

रैपिड पिलर 1117 के सामने, दिल्ली मेरठ रोड, मोदीनगर - 201204
m-7055851111 email: bhavishyachandrika@gmail.com

यज्ञ में विशुद्ध सामग्री ही संकल्प को सफल करती है।